संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 342
पृष्ठ 8
शुक्रवार
05 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सेब से लेकर अनानास तक...

विचार- बारिश का कहर

खेल- जसप्रीत बुमराह या शोएब अख्तर...

गुंडा टैक्स सपा सरकार का संस्कार था : सीएम योगी

- सुरक्षा का माहौल देकर समृद्धि का मार्ग सुगम कर रही सरकार
- सपा सरकार में बिजली यदा कदा आती थी: योगी

गोरखपुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में सुरक्षा के माहौल को निवेश की आधारशिला बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर कटाक्ष किया कि व्यापारियों और उद्यमियों से गुंडा टैक्स की वसूली सपा सरकार के संस्कार का हिस्सा था। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) क्षेत्र में 2251 करोड़ रुपये के निवेश और विकास परियोजना का शिलान्यास व लोकार्पण के मौके पर उन्होने कहा कि निवेश की परियोजनाओं में मल्टीनेशनल कंपनी कोका कोला के बॉटलिंग प्लांट का भूमि पूजन, देश में अग्रणी प्लास्टिक उत्पाद–पैकेजिंग कम्पनी टेक्नोप्लास्ट की यूनिट का लोकार्पण शामिल है। गीडा के प्लास्टिक पार्क में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर, पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले निवेश सपना था। डबल इंजन सरकार के द्वारा प्रतिबद्धता से जनसेवा के किए गए कार्यों का परिणाम है कि आज प्रदेश में विकास, निवेश और रोजगार की संभावनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब सुरक्षा का माहौल बनता है तो निवेश आता है। निवेश से नौकरी और रोजगार के द्वार खुलते हैं। रोजगार से खुशहाली आती है और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। डबल इंजन की सरकार सुरक्षा का माहौल देकर समृद्धि का मार्ग सुगम कर रही है। सीएम योगी ने बिना नाम लिए सपा पर शाब्दिक प्रहार करते हुए कहा कि जाति के नाम पर समाज को बांटने वाले, प्रदेश को दंगों की आग में झोंकने वाले लोगों ने नागरिकों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया। वोट बैंक की राजनीति में सुरक्षा से खिलवाड़ किया। बेटी–बहन की इज्जत की परवाह नहीं की, मातृशक्ति की गरिमा का ख्याल नहीं किया। ऐसे लोगों से विकास की उम्मीद कैसे की जा सकती है। जब ऐसे लोगों को मौका मिला और विकास नहीं करा पाए तो वे आगे भी नहीं करा पाएंगे। योगी ने कहा कि सपा सरकार में उद्यमियों, व्यापारियों से वसूली होती थी, गुंडा टैक्स लिया जाता था। आज ऐसा करने की हिम्मत कोई नहीं कर सकता। किसी ने गुंडा टैक्स वसूला तो अगले चौराहे पर यमराज उसका इंतजार करते मिलेंगे। सपा सरकार में बिजली यदा कदा आती थी। ये उजाले के दुश्मन थे। उन्होंने समाज में अराजकता फैलाई।

भारत–सिंगापुर के बीच कई समझौतों पर मुहर, पीएम मोदी बोले–

एकजुटता से आतंकवाद का मुकाबला करना सभी मानवतावादी देशों का कर्तव्य

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। जिसके बाद रू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की उपस्थिति में दिल्ली में भारत और सिंगापुर के बीच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की ये यात्रा विशेष है क्योंकि इस वर्ष हम अपने संबंधों की 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं... दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में सिंगापुर हमारा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। सिंगापुर से भारत में बड़े स्तर पर निवेश हुआ है। हमारे रक्षा संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। आज हमने अपनी पार्टनरशिप के भविष्य के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है। हमने निर्णय लिया है कि आपसी व्यापार को गति देने के लिए द्विपक्षीय कॉम्प्रेहेन्सिव इकोनॉमिक कोऑपरेशन एग्रीमेंट और आसियान के हमारे फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का समयबद्ध तरीके रिव्यू किया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि आज हमने अपनी साझेदारी के भविष्य के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है। हमारा सहयोग केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा। बदलते समय के साथ उन्नत विनिर्माण, हरित नौवहन, कौशल विकास, नागरिक, परमाणु और शहरी जल प्रबंधन जैसे क्षेत्र भी हमारे सहयोग का केंद्र बिंदु बनेंगे। प्रौद्योगिकी और नवाचार हमारी साझेदारी के मज़बूत स्तंभ हैं। हमने तय किया है कि एआई, क्वांटम और अन्य डिजिटल तकनीकों में सहयोग बढ़ाया जाएगा। आज अंतरिक्ष क्षेत्र में हुए समझौते अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग में एक नया अध्याय जोड़ रहे हैं। हमने निर्णय लिया है कि हमारे युवाओं को उनकी प्रतिभा से जोड़ने के लिए इस वर्ष के अंत में भारत–सिंगापुर हैकाथॉन का अगला दौर किया जाए। न्च् और च्लछवू हमारी डिजिटल कनेक्टिविटी के सफल उदाहरण हैं, और यह खुशी की बात है कि इसमें 13 नए भारतीय बैंक जुड़े हैं। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने कहा, ष्हम अंतरिक्ष जैसे अग्रणी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएँगे। अब तक भारत द्वारा सिंगापुर निर्मित 20 से ज़्यादा उपग्रह प्रक्षेपित किए जा चुके हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए हुए समझौता ज्ञापन के माध्यम से, हम इस साझेदारी को व्यापक बनाएंगे और साथ मिलकर जो हासिल कर सकते हैं उसकी सीमाओं को आगे बढ़ाएँगे।

बाढ़ संकट पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया, अवैध पेड़ों की कटाई पर चिंता जताई

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और जम्मू–कश्मीर में आई विनाशकारी बाढ़ और भारी बारिश से संबंधित एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है। गहरी चिंता व्यक्त करते हुए, अदालत ने इस बात पर ज़ोर दिया कि स्थिति बेहद गंभीर प्रतीत होती है। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ के पानी में बड़ी संख्या में लकड़ी के लट्ठे बहते हुए दिखाई देने वाले वीडियो का हवाला देते हुए, पीठ ने बताया कि पहाड़ियों में पेड़ों की अवैध कटाई एक प्रमुख कारण हो सकती है। शीर्ष अदालत ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि इतने बड़े पैमाने पर हो रहे पर्यावरणीय नुकसान को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने टिप्पणी की, हमने अभूतपूर्व बारिश और बाढ़ देखी है। पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर की सरकारों को नोटिस जारी किए गए हैं।ष मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा कि प्रथम दृष्टया बड़े पैमाने पर अवैध रूप से पेड़ों की कटाई हुई प्रतीत होती है। राज्यों को तीन सप्ताह के भीतर अपने जवाब दाखिल करने को कहा गया है। हिमाचल प्रदेश की रिपोर्टों पर प्रकाश डालते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों में बाढ़ के दौरान बड़ी संख्या में लकड़ी के लट्ठे बहते हुए दिखाए गए हैं। यह एक बहुत ही गंभीर मामला है। उन्होंने आगे कहा, हम पंजाब से भी तस्वीरें देख रहे हैं जहाँ पूरे के पूरे गाँव और खेत नष्ट हो गए हैं। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन आवश्यक है। इस बीच, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, ष्हमने प्रकृति के साथ इस हद तक हस्तक्षेप किया है कि अब वह भी हमारे साथ वैसा ही व्यवहार कर रही है।

कब होंगे माँ के दर्शन? वैष्णो देवी यात्रा 10 दिनों से थमी, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

जम्मू, एजेंसी। लगातार प्रतिकूल मौसम और तीर्थयात्रा मार्ग पर भूस्खलन की बार–बार हो रही घटनाओं के कारण श्री माता वैष्णो देवी यात्रा लगातार 10वें दिन भी स्थगित रही। लगातार भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई है और ढलान अस्थिर हो गए हैं, जिससे तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुनर्निर्माण कार्य जारी है, श्राइन बोर्ड, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें मलबा हटाने और संवेदनशील हिस्सों को स्थिर करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही हैं। हालाँकि, जन सुरक्षा के हित में, यात्रा तब तक स्थगित रहेगी जब तक कि स्थिति में सुधार नहीं हो जाता और मार्ग सुरक्षित घोषित नहीं हो जाता। ज़िला अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से अस्थायी निलंबन में सहयोग करने और कटरा स्थित आधार शिविर की अनावश्यक यात्रा से बचने का आग्रह किया है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि नियमित रूप से जानकारी दी जाएगी और तीर्थयात्रा को जल्द से जल्द फिर से शुरू करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। जम्मू और कश्मीर (श्र–ज्ञ) के जम्मू संभाग के अधिकारियों ने बुधवार को क्षेत्र में भारी बारिश और मौसम संबंधी अलर्ट जारी होने के बाद 4 सितंबर को सभी सरकारी और निजी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया। लगातार बारिश के कारण कई पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन होने, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी बाधित होने और छात्रों की सुरक्षा को खतरा पैदा होने के बाद एहतियाती उपाय के रूप में यह फैसला लिया गया।

ममता बनर्जी का भाजपा पर वार: बंगाल में एक भी विधायक नहीं बचेगा, हार तय है

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि वह बांग्ला भाषी लोगों के खिलाफ है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा को एक ऐसे समय का सामना करना पड़ेगा जब पश्चिम बंगाल में उनकी पार्टी का एक भी विधायक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बंगालियों के खिलाफ भाषाई आतंक फैलाने वाली कोई भी पार्टी बंगाल कभी नहीं जीत सकती। ममता बनर्जी ने कहा कि मैं बंगालियों पर हो रहे अत्याचार के लिए भाजपा की निंदा करती हूँ। जल्द ही एक समय आएगा जब बंगाल में भाजपा का एक भी विधायक नहीं बचेगा। जनता खुद यह सुनिश्चित करेगी। भाजपा की हार निश्चित है, क्योंकि बंगालियों के खिलाफ भाषाई आतंक फैलाने वाली कोई भी पार्टी बंगाल कभी नहीं जीत सकती। ममता बनर्जी ने भाजपा को ष्वोट चोरष् पार्टी बताते हुए कहा कि यह पूरी तरह से भ्रष्ट है। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट चोर, पूरी तरह से भ्रष्ट, बंगालियों को सताने वाली और धोखेबाज़ पार्टी है। भाजपा राष्ट्रीय कलंक है और मैं इसकी कड़ी निंदा करती हूँ। तृणमूल कांग्रेस ने नियम 169 के तहत देश भर में बंगाली भाषी लोगों के खिलाफ कथित घटनाओं की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया। ममता बनर्जी के बोलने के दौरान उन्हें विपक्ष के भारी विरोध का भी सामना करना पड़ा, जिसके कारण भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल को निलंबित कर दिया गया। तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पूर्व अनुमति और सुरक्षा जमा के बावजूद अपने ष्भाषा आंदोलन विरोध स्थलष् को ध्वस्त करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और कहा कि मेयो रोड पर जो हुआ वह सेना का काम नहीं है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि यह पार्टी द्वारा अनैतिक, असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक और सत्ता का दुरुपयोग है और वे अपने उद्देश्यों के लिए सेना का इस्तेमाल करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भाजपा द्वारा अनैतिक, असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक और सत्ता का दुरुपयोग है। वे सेना का इस्तेमाल अपने उद्देश्य के लिए करना चाहते हैं। यही आज का संदेश है। उन्हें आंतरिक सुरक्षा और सीमा सुरक्षा की परवाह नहीं है। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए. .. हमें इस कार्यक्रम की अनुमति थी, हमने शुल्क भी चुकाया था।

हिरासत में मौत को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर लिया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक अखबार में छपी खबर के बाद स्वतः संज्ञान लेते हुए एक जनहित याचिका (पीआईएल) शुरू की, जिसमें भारत भर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी का मुद्दा उठाया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि 2025 में पिछले 7–8 महीनों में अकेले राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुई हैं। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर तुरंत संज्ञान लिया। इससे पहले, 2020 में, सर्वोच्च न्यायालय ने देश भर के सभी पुलिस थानों में नाइट विज़न और ऑडियो क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य कर दिया था। इस ऐतिहासिक फैसले में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को पुलिस परिसरों के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं, जिनमें लॉक–अप और पूछताछ कक्ष शामिल हैं, पर सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय ने ज़ोर देकर कहा कि फुटेज को कम से कम 18 महीने तक सुरक्षित रखा जाना चाहिए और हिरासत में यातना या मौत से संबंधित जाँच के दौरान उसे सुलभ बनाया जाना चाहिए। स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, कई पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे हैं या फुटेज गायब हैं, जिससे अक्सर जाँच और जवाबदेही में बाधा आती है।

पलामू में नक्सलियों से लोहा लेते हुए 2 जवान शहीद, एक घायल, ऑपरेशन जारी

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पलामू जिले में गुरुवार को प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) समूह टीएसपीसी के सदस्यों के साथ मुठभेड़ में कम से कम दो सुरक्षाकर्मी मारे गए और एक अन्य घायल हो गया। झारखंड पुलिस के आईजी ऑपरेशन और प्रवक्ता माइकलराज एस ने बताया, ष्कल देर रात पुलिस और प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) के बीच हुई मुठभेड़ में दो पुलिस जवान शहीद हो गए और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने पलामू के मनातू इलाके में टीएसपीसी कमांडर शशिकांत गंझू, जिस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित है, के खिलाफ अभियान शुरू किया था। अभियान के दौरान मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें पुलिस की ओर से दो जवान शहीद हो गए। पुलिस ने बताया कि मनातू पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत केदल गांव में सुरक्षा बलों और प्रतिबंधित तृतीया सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) के सदस्यों के बीच देर रात करीब 12.30 बजे मुठभेड़ शुरू हुई।

पहले वोट चोरी, अब मोदी सरकार पेट्रोल चोरी कर रही: पवन खेड़ा का बड़ा आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं प्रचार अध्यक्ष पवन खेड़ा ने गुरुवार को मोदी सरकार और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पर इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल नीति को लेकर तीखा हमला बोला और कहा कि वोट मिलावट से जीतने वाली सरकार अब मिलावट से देश चला रही है। एक प्रेस बयान में, पवन खेड़ा ने कहा कि पहले वोट चोरी, अब मोदी जी द्वारा पेट्रोल चोरी। उन्होंने कहा कि न खाऊँगा, न खाने दूँगाष के तथाकथित झंडाबरदार – वोट चोरी – जो भारतीय जनता के साथ सबसे बड़ा धोखा है – लागू करने के बाद, पेट्रोल चोरी लागू कर रहे हैं। सबसे ताज़ा है पैसे ऐंठने के लिए ई–20 नीति। ई–20 इथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल नीति पर, खेड़ा ने कहा कि इथेनॉल मिश्रण नीति को लेकर अब व्यापक आक्रोश है। खेड़ा ने आरोप लगाया कि 2014 में पदभार संभालने के बाद से नितिन गडकरी इथेनॉल उत्पादन के लिए आक्रामक रूप से पैरवी कर रहे हैं। सितंबर 2018 में, गडकरी ने कहा कि सरकार पांच इथेनॉल उत्पादन संयंत्र स्थापित कर रही है, जहां लकड़ी आधारित उत्पादों और अलग–अलग नगरपालिका कचरे से इथेनॉल बनाया जाएगा। खेड़ा ने आगे कहा कि गडकरी ने यह भी कहा था कि इस नीति से डीज़ल 50 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल का विकल्प 55 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध होगा, लेकिन पता चला कि यह एक जुमला था। खेड़ा ने एक प्रेस बयान में कहा कि निर्धारित समय से पाँच साल पहले 20: इथेनॉल मिश्रण प्राप्त करने के बड़े–बड़े दावों के बावजूद, ये वादे धरे के धरे रह गए हैं। वादे के अनुसार, लकड़ी आधारित उत्पादों या नगरपालिका के कचरे से एक बूँद इथेनॉल भी नहीं निकला है, और पेट्रोल की कीमतें कभी भी 55 रुपये प्रति लीटर के स्तर तक नहीं पहुँच पाईं। इसके बजाय, आम आदमी को ज़्यादा कीमत चुकानी पड़ती है – वाहन ज़्यादा ईंधन की खपत करते हैं, जल्दी खराब हो जाते हैं, और प्रत्येक लीटर इथेनॉल 3,000 लीटर पानी की खपत करता है।

गुजराती लोग बिहारियों को हल्के में ना लें

बिहार बंद के बीच लालू यादव का भाजपा पर वार

पटना, एजेंसी। राजद प्रमुख लालू यादव ने गुरुवार को बिहार में भाजपा के राज्यव्यापी बंद को लेकर उस पर निशाना साधा और पार्टी कार्यकर्ताओं पर राज्य की महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में लालू यादव ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा सदस्यों को बिहार और बिहारियों की माताओं, बहनों और बेटियों को गाली देने का आदेश दिया है। लालू ने लिखा कि क्या प्रधानमंत्री मोदी ने आज भाजपा सदस्यों को बिहार और बिहारियों की माताओं, बहनों और बेटियों को गाली देने का आदेश दिया है? गुजरातियों को बिहारियों को कम नहीं आंकना चाहिए। यह बिहार है। सोशल मीडिया पोस्ट में लालू यादव ने आगे लिखा कि भाजपा के गुंडे और बदमाश सम्मानित शिक्षकों, सड़कों पर चल रही महिलाओं, छात्रों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और पत्रकारों को गाली दे रहे हैं, मारपीट कर रहे हैं और उनके साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं? क्या यह उचित है? शर्मनाक! इस बीच, राजद नेता और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करते हुए उन पर बिहार की जनता से झूठे वादे करने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए उनकी मंशा पर भी सवाल उठाया और कहा कि भाजपा चुनावी फायदे के लिए बिहार के वोटों का इस्तेमाल करना चाहती है और गुजरात में कारखाने लगा रही है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा है, मोदी जी! बिहार आपके झूठे वादों में नहीं फँसेगा। इस बार मुद्दा गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, पलायन, बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था है! आप बिहार से जीत चाहते हैं और गुजरात में कारखाने लगाएँगे! बिहार के लोग मेहनत–मजदूरी के लिए नहीं बने हैं। बिहार में महागठबंधन के एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणी को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) बिहार बंद का आह्वान कर रहा है।

गंदगी के बीच संक्रमण बांट रहा आयुष्मान आरोग्य मंदिर

प्रयागराज। शहर के बड़े अस्पतालों में मरीजों की भीड़ कम करने और मोहल्लों में ही लोगों का बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से नगरीय हेल्थ एवं वेलनेस केंद्र स्थापित किए गए हैं। एक साल पूर्व सभी हेल्थ एवं वेलनेस केंद्र का नाम बदलकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर रखा गया। शहरी क्षेत्र में 48 आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित किए जा रहे हैं। बाढ़ व बारिश के चलते शहर में संक्रामक बीमारियां फैल रहीं हैं। एसआरएन, बेली व कॉल्विन अस्पताल में आरक्षित वार्ड डेंगू के लक्षण वाले मरीजों की भर चुके हैं। लेकिन देखरेख के अभाव में कटरा स्थित नगरीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर के चारों ओर गंदगी फैली हुई है। इसके कारण मरीजों को दुर्गंध का सामना करना पड़ रहा है, जिससे मरीजों को डॉक्टर से परामर्श लेने के लिए कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही संक्रमण फैलने का डर बना हुआ है। वहीं आरोग्य मंदिर के सामने ही वाहनों की पार्किंग से मरीजों को परेशानी होती है।

ट्रामा सेंटर की एक्स रे मशीन खराब, मरीज परेशान

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर में एक्स–रे मशीन बुधवार को एक बार फिर दगा दे गई। कतार में लगे 20 मरीज मजबूरी में बाहर से जांच कराने के लिए चले गए। यहां तक कि मरीजों ने अस्पताल में जांच के लिए जो शुल्क जमा किया था वह भी वापस नहीं ले सके। ट्रामा सेंटर की एक्स–रे

मशीन एक सप्ताह पहले ठीक हुई थी लेकिन फिर बार–बार खराब होने से मरीजों व तीमारदारों की काफी दिक्कत हो रही है। ट्रामा सेंटर में प्रतिदिन लगभग 400 मरीज आते हैं, जिसमें सड़क दुर्घटना में घायल व न्यूरो की समस्या से संबंधित कई मरीजों को तत्काल एक्स–रे की जरूरत होती है लेकिन मशीन खराब होने के कारण मरीजों को पीएमएसएवाई बिल्डिंग में भेजा जाता है लेकिन वहां पहले से ही अधिक भीड़ होने के कारण मरीज निजी पैथोलॉजी में जांच के लिए चले जाते हैं।

न्यायालय के आदेश पर छह महीने बाद मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। जिला न्यायालय के आदेश पर घटना के छह महीने बाद मुट्ठीगंज पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज किया है। तहरीर के अनुसार, मुट्ठीगंज के गंगाराम व्यायामशाला निवासी अनुज केसरवानी के घर के पास कौशाम्बी के कोखराज भरवारी के रहने वाले अनिल केसरवानी की चूड़ी की दुकान है। दूर का रिश्तेदार होने के नाते अनिल अक्सर घर पर आता रहता है। आरोप है कि 15 फरवरी को अनुज की पत्नी का घर में माता–पिता से लड़ाई हुई। विरोध करने पर पिता ने अनिल को फोन कर बुला लिया। घर पहुंचते ही अनिल ने उसकी पत्नी से अभद्र व्यवहार किया। विरोध करने पर लोहे की रॉड से सिर पर हमला कर दिया। इससे हाथ की अंगुली फ्रैक्चर हो गई थी। आरोप है कि थाने में उसकी दिन तहरीर दी गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद अनुज केसरवानी ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर पुलिस अब मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है

पूर्व प्राचार्य डा. एसपी सिंह कार्यकारी परिषद के सदस्य मनोनीत

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. एसपी सिंह को अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ की कार्यकारी परिषद का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन कुलपति प्रो. संजीव मिश्र ने डॉ. सिंह के शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुभव के आधार पर किया है। डॉ. एसपी सिंह मेडिकल कॉलेज में सबसे लंबे समय तक प्राचार्य रहे। वह केजीएमयू के कार्यकारी परिषद, एसपीजीआई के गवर्निंग बॉडी के सदस्य, एम्स सैफई के सलाहकार सदस्य और डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के वित्त समिति के सदस्य भी हैं। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. वीके पांडेय ने कहा कि कार्यकारी परिषद में उनका योगदान निश्चित रूप से चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के स्तर को और ऊंचाई पर ले जाएगा।

चोरी नहीं हुई थी मारपीट, आहत होकर दर्ज कराई थी एफआईआर

प्रयागराज। तीन दिन पहले बकरा व्यवसायी से 66 हजार की चोरी नहीं, बल्कि मारपीट हुई थी। पुलिस के अनुसार मारपीट से आहत मोहम्मद सिकंदर ने रुपये चोरी होने की गलत एफआईआर दर्ज करवाई थी। पुलिस ने बुधवार को मारपीट करने वाले तीन आरोपी को गिरफ्तार जेल भेज दिया। थरवई थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि मोहम्मद सिकंदर निवासी मलाका मय भैसाही ने एक सितंबर की शाम चार लोगों पर मारपीट कर 66200 रुपये चोरी करने का मुकदमा दर्ज कराया था। मामले की पड़ताल की गई तो पता चला कि वह एक अगस्त को फतेहगंज–गिरधरपुर से बकरा खरीदकर वापस अपने घर जा रहा था। प्रतापपुर मोड़ के पास चार अज्ञात व्यक्तियों ने हंसी मजाक करते हुए बकरा पर हक जताना शुरू कर दिया। इससे नाराज होकर सिकंदर ने बकरे को जमीन पर पटक दिया। कहासुनी के दौरान चारों युवकों ने सिकंदर की पिटाई कर दी। आरोपियों को सबक सिखाने के लिए रुपये लूट का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपी सुरेश यादव निवासी कल्यानपुर, शिवांश पांडेय निवासी जयंतीपुर व रोहित यादव निवासी बसौधा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

राज्य और मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह अब 11 को

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय और उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह ही दिन 11 सितंबर को आयोजित होंगे। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने 11 सितंबर की तिथि तय की है। पहले राज्य विवि का दीक्षांत समारोह 11 सितंबर और मुक्त विश्वविद्यालय का समारोह 12 सितंबर को होना था। अब राज्य विवि का दीक्षांत 11 सितंबर को सुबह के सत्र में जबकि मुक्त विवि का समारोह शाम को होगा।

द्वितीय विश्व युद्ध के पहले बनी हवाई पट्टी का अस्तित्व खतरे में, नहीं कोई देखने वाला

प्रयागराज। घूरपुर क्षेत्र के इरादतगंज स्थित हवाई पट्टी का अस्तित्व खतरे में है। देश की सुरक्षा से लेकर कई अहम समस्याओं के समय उक्त हवाई पट्टी ने अपने कालखंड में देश की सेवा की है। लेकिन सरकारी उपेक्षा और बिना देख रेख के हवाई पट्टी अपना अस्तित्व खोता जा रहा है। यदि हवाई पट्टी एक बार से अस्तित्व में आए तो निश्चित ही क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मिलेगा और कई तरह की व्यापारिक गतिविधियों से भी समूचा क्षेत्र जुड़ जाएगा। सरकार की ओर से कई बार दर्जनों गांव में फैली इस बेशकीमती भूमि की पैमाईश की पहल शुरू हुई लेकिन सभी कागजी कोरम में दबी पड़ी रह गई।

हवाई पट्टी को विकसित करने अथवा यहां कोई अन्य परियोजना से न केवल इस भूखंड का उपयोग होगा बल्कि रोजगार के नए अवसर का सृजन होगा। स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों से भी इस ओर ध्यान देने की मांग जरूर की लेकिन नतीजा अभी कुछ नहीं निकला। आसपास के गांव के पुरनिये बताते है कि एक समय वह था जब इस हवाई अड्डे पर जहाजों की आवाज और रात में जहाजों की टिमटिमाती बिजली से इलाके में चहल कदमी रहती थी और और आज का वह दिन है जब दिन में इस हवाई पट्टी पर हाईवे की भांति बड़े वाहन दौड़ते है और शाम ढलते ही इस पर इलाके सहित आसपास के अराजकतत्वों का बसेरा बना जाता। द्वितीय विश्व युद्ध के पहले ही इस हवाई पट्टी का निर्माण कर लिया गया था। उस समय के पुरनिये लोग बताते हैं कि उस समय यहां लड़ाकू विमानों की गड़गड़ाहट भरी आवाजों से इलाका गुंजा करता था। उसके बाद 1971में पाकिस्तान और बंगलादेश के बटवारे के समय यहां बंगलादेशी शरणार्थियों की भारी भीड़ इसी हवाई पट्टी पर कैम्प बनाकर रखे गए थे। बाद में जब बांगलादेश अलग हुआ तो यहां से शरणार्थियों को बंगलादेश भेजा गया था।उसके बाद कई बार एफसीआई ने यहां गोदाम भी बनाकर रखा था। लेकिन बिना देख रेख के अब बीरान से पड़ा है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इरादतगंज हवाई पट्टी पर ही मित्र देशों के सैनिकों को युद्ध स्थलों पर सरकार ने भेजने की तैयारी कर रखी थी। उस समय भारी संख्या में स्थाई और

आस्थाई आवास बनाए गए थे। बड़े बड़े सुसज्जित गेट कालोनी आदि देखने लायक थी। देखरेख और निर्माण कार्य में स्थाई तौर पर दस हजार कर्मियो की नियुक्ति की गई थी। लड़ाकू विमानों की गर्जना की गाथा सुनाते है बुजुर्ग द्वितीय विश्व युद्ध में इरादतगंज हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमानों की गर्जना की गाथा बुजुर्ग आज के युवाओं को सुनाते हुए रोमांचित हो जाते है। हवाई पट्टी से सटे गांव चौकठा के सेवा निवृत प्रधानाचार्य तेज प्रताप सिंह, शिव शंकर विश्वकर्मा, चंद्रभान सिंह, बृजलाल पाल,भारत पाल,व इरादतगंज के छोटे लाल यादव, गामा सिंह, राम करन यादव बताते है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान रोजाना दिन रात लड़ाकू विमानो की गड़गड़ाहट सुनने को मिलती थी ।लड़ाकू विमानों की गर्जना और सेनाओं को देखकर उस समय के युवाओं में जोश इस तरह आ जाता था कि भारत माता की जय देश के जवान जिंदाबाद की नारे लगाया करते थे। उस समय ऐसा लगता था कि युद्ध यहीं हो रहा है। दिन रात सेना के जवानों की रक्षा के लिए ईश्वर से लोग प्रार्थना करते थे। किसानों को खेती के लिए दी गई थी हवाई पट्टी की जमीन द्वितीय विश्व युद्ध के कुछ वर्षों बाद सोशलिस्ट पार्टी के जनपद के कद्दावर नेताओं ने हवाई पट्टी की जमीनों को किसानों की खेती के लिए देने के लिए आंदोलन कर दिया था ।कई महीनों के आंदोलन के बाद सरकार इस बात पर रजामंद हो गई कि जब भी आवश्यकता पड़ेगी खाली करनी होगी। इसी के बाद से आसपास के किसानों ने हवाई पट्टी की जमीन पर खेतीबाड़ी शुरू कर दी। इसी के आड़ में धीरे–धीरे लोगों ने अवैध कब्जा जमा आवास, ईंट भठ्ठे, स्कूल आदि बना लिए। इरादतगंज हवाई पट्टी का निर्माण द्वितीय विश्व युद्ध में मित्र देशों की सेनाओं के जहाज आदि गतिविधियों को ध्यान में रखकर बनाया गया था। लंबे समय तक यहां से घरेलू जहाज उड़ान भी भरते थे। बाद में सन 1971 में बांग्लादेश के युद्ध के बाद यहां बांग्लादेशी शरणार्थियों को टिकाया गया था जो स्थिति सामान्य होने तक यहां रहे। लगभग 10 वर्षों तक यहां भारतीय खाद्य निगम का गोदाम बनाया गया था। पिछले 10–15 वर्षों से हवाई पट्टी और उसे जुड़े हैंगर पूरी तरह उपेक्षित हैं। स्थिति यह है हवाई अड्डे के रनवे से लगी वायुसेना की सैकड़ों बीघा सरकारी भूमि को भूमाफियाओं ने अवैध कब्जा कर 10 से 15 फीट तक गहरा गड्ढा बनाकर मिट्टी की एक पथाई कर ली है यही नहीं सेना की भूमि पर कई ईट–भट्ठे भी स्थापित हो चुके हैं। सबसे बुरा हाल जहाजो के ठहरने के लिए बनाए गए हैं पक्के हैंगरों की है। रनवे के साथ ही दर्जनभर हैंगरों पर बस गई बस्ती और खुल गए ईंट भट्ठे रनवे से लगे आसपास के गांवों बलापुर, चक हिदायतुल्ला, हुल्लाका पूरा, चौखटा, बगबना, बिगहिया, दुबना बलापुर, बोगी, हरिहरपुर समेत कई गांवों में डेढ़ दर्जन हैंगर बनाए गए थे हैंगर का काम था कि जो जहाज यात्रा करके आते थे इन्हीं हैंगरो पर खड़े किए जाते थे। धीरे धीरे इन हैंगरो पर बस्ती बस गई और सरकारी हैंडपंप सहित सरकारी रास्ते भी बना दिए गए। उसमें ज्यादातर पर लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। दो–तीन हैंगरों की स्थिति तो यह है कि वहां बकायदे गांव बस गए हैं जिस पर सरकारी हैंडपंप, सड़के और बिजली के पोल तक दौड़ा किए गए। मुख्य रनवे पर बेरोकटोक ओवरलोड वाहनों के अवागमन से रनवे में जगह–जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। लगभग पूरे रनवे में जल भराव की स्थिति है। अधिकारियों कर्मचारियों की अनदेखी से यह राष्ट्रीय धरोहर पूरी तरह बर्बाद हो रही है। अंधाधुंध हुआ मिट्टी का खनन, दस पंद्रह फीट तक हुआ गहरा सेना की इस भूमि पर धीरे धीरे आस पास के किसानों ने हवाई पट्टी को तोड़कर खेती शुरू की तो फिर कुछ वर्षों बाद से इन्हीं खेतों में ईंट भट्ठे खुल गए और बेरोक टोक धड़ल्ले से ईंट तैयार करने के लिए मिट्टी का खनन करता गया जिससे जगह जगह दस से पंद्रह फीट तक गहरा गड्ढा हो चुका है। तीन वर्ष पूर्व इरादतगंज हवाई पट्टी और कई गांवों में सैकड़ों एकड़ में फैली जमीन को खाली कराने के लिए जिले के अधिकारियों के दिशा निर्देश पर तहसील करछना और बारा तहसील के एसडीएम और तहसीलदार को संयुक्त रूप से टीम बनाकर राजस्व टीम को जमीन की पैमाईश करवा कर कब्जा मुक्त कराने का निर्देश दिया गया था । उस समय निर्देश यह था कि एक माह के अंदर पूरी जमीन को चिन्हित और खाली कराकर सेना को सौंप दिया जाएगा । दोनों तहसीलों की राजस्व की टीम के साथ सेना के भी अधिकारी लगे रहते थे । महीनों दोनों तहसीलों की टीम हलाकान भी ही लेकिन उसके बाद क्या हुआ उसका आज तक कुछ पता नहीं चल पाया । फिर हवाई पट्टी की जमीन ज्यों की त्यों उसी हाल में ही पड़ी रह गई। बोले जिम्मेदार इरादतगंज हवाई पट्टी के विषय में मुझे कोई जानकारी नहीं हैं चूंकि मैं अभी कुछ दिनों पूर्व ही आई हूं बाकी अभिलेखों और राजस्व कर्मियों से बात कर यथोचित कार्रवाई की जाएगी। –भारती मीणा, एसडीएम, करछना

हमारी भी सुने इरादतगंज हवाई पट्टी का यदि फिर से विकास हो तो निश्चित ही क्षेत्र का विकास होगा। इसके लिए शासन और प्रशासन को कोई ठोस नीति बनानी चाहिए। –शुभम सिंह ठाकुर, किसान नेता इरादतगंज हवाई पट्टी क्षेत्र की एक ऐतिहासिक विरासत है। सरकार को इसके विकास के लिए गंभीरता से सोचना चाहिए। जनप्रतिनिधियों को भी इस ओर ध्यान देना चाहिए ताकि नए अवसर बन सकें। –देवेंद्र प्रताप सिंह, भोला प्रधान इरादतगंज इरादतगंज हवाई पट्टी पर रात में पसरा सन्नाटा और अंधेरे के चलते आए दिन यहां घटनाएं होती है। स्थानीय प्रशासन को इसके विकास को संज्ञान लेना चाहिए। –शुभम मिश्र, अधिवक्ता, चाका घूरपुर क्षेत्र के इरादतगंज आजादी की लड़ाई से लेकर कई बार देश की अस्मिता की रक्षा के लिए विभिन्न रूपों में खड़ा रहा लेकिन दुर्भाग्य रहा कि यहां की विरासत को भी सरकारें संवार तक न सकी। –भीम लाल आदिवासी, किसान नेता

संदिग्ध हालात में नवविवाहिता का फांसी पर लटकता मिला शव

प्रयागराज। शिवकुटी के पीतांबर नगर मेंहदौरी में बुधवार की रात लगभग आठ बजे संदिग्धावस्था में नवविवाहिता का फांसी में लटकता शव मिला। कमरे के अंदर साड़ी के फंदे से पूजा यादव के लटकते शव को कब्जे में लेकर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। पूजा की लगभग पांच महीने पहले ही शादी हुई थी।

पुलिस का कहना है कि मायका पक्ष के आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। हंडिया के सैदाबाद निवासी मिथिलेश यादव की 30 वर्षीय बेटी पूजा यादव की 18 अप्रैल को शिवकुटी के पीतांबर नगर मेंहदौरी निवासी विवेक यादव से शादी हुई थी। विवेक यादव की चार बहनों व बड़े भाई की

शादी हो चुकी है।

विवेक वर्तमान में लखनऊ में अपने बड़े भाई के साथ रहकर प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है। पुलिस के अनुसार, ससुराल में पूजा के अलावा सास व ससुर मौजूद थे। पुलिस को बुधवार की रात लगभग आठ बजे पूजा के फांसी लगाने की सूचना मिली।

घटनास्थल पर शिवकुटी पुलिस व फॉरेसिंक टीम ने पहुंचकर जांच पड़ताल की। सास–ससुर ने पूजा के खुद ही फांसी लगाने की बात बताई है। फिलहाल फांसी लगाने की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

थाना प्रभारी रुकमपाल सिंह का कहना है कि मायका पक्ष को भी सूचना दे दी गई है। मृतका के पति और मायका पक्ष के आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सास–ससुर व आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

वेतन बढ़ाने पर मेयर ने सीएम का आभार जताया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार व कैबिनेट की ओर आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के न्यूनतम वेतन वृद्धि के फैसले पर महापौर गणेश केसरवानी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूरी प्रदेश सरकार का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों की आर्थिक परेशानियों को दूर करेगा। अब तक नगर निगम समेत विभिन्न विभागों में कार्यरत सफाईकर्मियों सहित चतुर्थ श्रेणी आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को जो वेतन मिलता था, जिससे उनका परिवार चलाना बेहद कठिन था। मेयर ने बताया कि उन्होंने भी पत्र लिखकर सीएम से कई बार इसकी मांग रखी थी। इस दौरान सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रदीप, हरेंद्र, दिग्नरायण, राम प्रवेश, सुनील, विनय, विमला, रोशन, राधा, अनिल, राजेंद्र आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर विधानसभा घेरेंगे शिक्षक

प्रयागराज। सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के 1540 शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के ऑफलाइन स्थानांतरण की मांग को लेकर पांच सितम्बर को विधानसभा घेराव की तैयारियों को लेकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट की बैठक बुधवार को आजाद पार्क में हुई। प्रदेश संरक्षक डॉ. हरि प्रकाश यादव ने कहा कि ऑफलाइन तबादले की मांग को लेकर संगठन ने 17 जुलाई को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय लखनऊ पर किया था तो उस समय शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव ने 31 जुलाई तक स्थानांतरण सूची जारी करने का लिखित आश्वासन दिया था। सूची जारी नहीं हुई तो फिर 11 से 14 अगस्त तक व 13 की रातभर लगातार धरना दिया गया। बैठक प्रदेश उपाध्यक्ष उपेन्द्र वर्मा, सुरेन्द्र प्रताप सिंह, संदीप शुक्ल, तीर्थराज पटेल, सुधाकर ज्ञानार्थी, मिथलेश मौर्य, लक्ष्मी नारायण सिंह, देवराज सिंह आदि ने शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ पहुंचने का आह्वान किया।

अवैध रूप से संचालित हो रहा था गैराज, किया सील

प्रयागराज। पीडीए की टीम ने मेयो हॉल चौराहे के पास अवैध रूप से संचालित गैराज सील किया। पीडीए की टीम जब मौके पर पहुंची तो वहां कोई दस्तावेज नहीं दिखाया गया। इसके बाद टीम ने आगे की कार्रवाई की। उधर फाफामऊ क्षेत्र में चार अवैध निर्माणों को सील किया। इस दौरान इस्माइलगंज में अमृत लाल यादव, शांतिपुरम में आरबी सिंह व संतलाल, तिवारीपुर रोड पर रवि तिवारी, मलाक हरहर में सुरेंद्र नाथ पांडेय के अवैध निर्माण को सील किया गया। पीडीए के अफसरों ने बताया कि अवैध निर्माण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

आयुर्वेद महाविद्यालयों को मिले दो प्रोफेसर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालयों/चिकित्सालयों में प्रोफेसर (आचार्य)

रचना शरीर के तीन पदों का परिणाम बुधवार को घोषित कर दिया। दो सितंबर को आयोजित साक्षात्कार में उपस्थित सात अभ्यर्थियों में से ब्रजेश गुप्ता और सिद्धार्थ राहुल का चयन हुआ है। ओबीसी का कोई अभ्यर्थी उपलब्ध न होने के कारण एक पद रिक्त रह गया।

12 घंटों में जलस्तर में गिरावट बेहद कम, अब होगी बढ़ोतरी

प्रयागराज। गंगा यमुना के जलस्तर के कम होने की रफ्तार बेहद कम होने से तटीय इलाकों के लोगों की परेशानी बढ़ गई है। गुरुवार सुबह आठ बजे नैनी में यमुना का जल स्तर 80.95 मीटर रिकार्ड किया गया। जो बुधवार रात आठ बजे की तुलना

में महज दो सेंटीमीटर कम था। जबकि फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 81.48 मीटर रिकार्ड किया गया। जो बुधवार रात की तुलना में चार सेंटीमीटर कम था। वहीं छतनाग में गंगा का जलस्तर सुबह आठ बजे 80.42 मीटर रिकार्ड किया गया जो बुधवार रात आठ बजे की तुलना में महज एक सेंटीमीटर कम था। 12 घंटे में जलस्तर में होने वाली गिरावट बहुत अधिक परेशान करने वाली है। एडीएम वित्त एवं राजस्व विनीता सिंह का कहना है कि हथिनिकुंड बैराज से छोड़ा गया जल गुरुवार शाम तक प्रयागराज पहुंचने की उम्मीद है।

छात्रवृत्ति और नवीनीकरण के लिए 15 तक करें आवेदन

प्रयागराज। शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग नई दिल्ली की ओर से राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना 2025–26 में नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) पर सफल फ्रेश एवं नवीनीकरण के सभी अर्ह लाभार्थीयों के ओटीआर एवं पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। मनोविज्ञानशाला के निदेशक पीएन सिंह के अनुसार प्रथम स्तर विद्यालय (इंस्टिट्यूट नोडल ऑफिसर) के स्तर से डाटा सत्यापित की अंतिम तिथि 30 सितंबर और द्वितीय स्तर जिला विद्यालय निरीक्षक (जिला नोडल ऑफिसर) के स्तर से डाटा को सत्यापित करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है।

संस्कृत विभाग में शिक्षक दिवस समारोह

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। संस्कृत विभागाध्यक्ष एवं डीन कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने उद्घाटन समारोह में कहा कि गुरू शिष्य के हृदय में उत्तम गुणों का विकास करता है। अपने ज्ञान के द्वारा सुयोग्य शिष्यों का निर्माण करना शिक्षक दिवस की सार्थकता है। संस्कृत

विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने कहा कि अपनी गुरुता के बल गुरु सदैव पूजनीय होता है। उनके ज्ञान के मूर्त प्रतिफल गुणी शिष्य होते हैं।संस्कृत शिक्षक डॉ. पीयूष मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि गुरू वह ज्ञानात्मक औषधि है जो शिष्य को मानसिक निरोगी बनाता है। सिद्धांत और व्यवहार रुपी ज्ञान प्रकाश से शिष्य के अन्तर्मन को प्रकाशित करता है। संस्कृत प्रवक्ता डॉ. प्रिया झा ने कहा कि गुरू के प्रति सच्ची निष्ठा रखना शिष्य के लिए गौरव बोध होता है। विभाग के विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य, भाषण, प्रश्नोत्तरी, कैटवॉक इत्यादि के माध्यम से से अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. प्रिया झा तथा डॉ. राहुल कुमार सहित सैकड़ों विद्यार्थीगण, शोधछात्र उपस्थित रहे। विभाग के समस्त विद्यार्थियो के सहयोग से शिक्षक दिवस समारोह का संयोजन, संचालन सम्पन्न हुआ। राष्ट्रगान से समारोह का समापन हुआ।

छात्रसंघ नेता अमन जैन ने परीक्षा नियंत्रक से की मुलाकात

छात्रों की विभिन्न समस्याओं से कराया अवगत

मुजफ्फरनगर। छात्रसंघ संयुक्त सचिव अमन जैन ने मां शाकुंभरी देवी विश्वविद्यालय सहारनपुर के परीक्षा नियंत्रक से मिलकर छात्रों की विभिन्न शैक्षिक समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। छात्रसंघ नेता अमन जैन ने बताया कि विश्व विद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को शैक्षिक संबंधी विभिन्न समस्याओं जैसे परीक्षा परिणाम में डिटैंड आने एवं डिटैंड हट जाने के बाद भी मूल अंकतालिका लेने के

लिए विश्वविद्यालय में प्रार्थना पत्र देने, सम सेमेस्टर के शेष पाठ्यक्रमों के परिणाम घोषित कराने, चुनौती मूल्यांकन का परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सार्वजनिक करने, सम सेमेस्टर परीक्षा में बहुविकल्पीय आधारित परीक्षा में ओएमआर शीट के साथ स्टूडेंट कॉपी उपलब्ध कराने या पोर्टल पर ओएमआर स्कैन कर अपलोड करने, तथा निजी/स्ववित्त पोषित महाविद्यालयों द्वारा विश्व विद्यालय से मूल अंकतालिका आ जाने के उपरांत भी छात्रों को उपलब्ध न कराने आदि शैक्षिक समस्याओं से अवगत कराते हुए 5 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा और शीघ्र अति शीघ्र समाधान कराने की मांग की। छात्रसंघ नेता अमन जैन ने बताया कि परीक्षा नियंत्रक महोदय ने ज्ञापन पत्र में की गई सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द से जल्द समस्याओं का निराकरण कराने का आश्वासन दिया।

गंगानाथ झा परिसर में शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। गंगानाथ झा परिसर में आज दिनांक 04–09–2025 को शिक्षक दिवस कार्यक्रम का का आयोजन परिसर के मुख्य सभागार में परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. बनमाली बिस्वाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। परिसरीय सभागार में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. हरिदत्त शर्मा, निवृत्ताचार्य, संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय का शिक्षा जगत में उनके अभूतपूर्व योगदान हेतु परिसरीय निदेशक (प्रभारी) प्रो. बनमाली बिस्वाल, परिसर के धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" एवं परिसर के सहायक निदेशक

प्रो. देवदत्त सरोदे द्वारा विशेष सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रो. हरिदत्त शर्मा ने अपने उद्बोधन में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका से परिचित कराया। शिक्षक दिवस मनाने के कारण का विशेषतरू उल्लेख करते हुए उन्होंने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन से प्रेरित होने की आवश्यकता पर बल दिया। शिक्षक को छात्र–छात्राओं का भविष्य निर्माता बताते हुए उन्होंने शिक्षक की विशेष भूमिका का वर्णन किया । प्रो. देवदत्त सरोदे ने अपने उद्बोधन में गुरु एवं शिष्य के मध्य परस्पर स्नेह एवं गुरु के प्रति सम्मान की भावना को ज्ञान की प्रबल रसधारा के प्रवाहित होने का कारण बताया। प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" ने अपने उद्बोधन में शिक्षक को विवेक शरीर का निर्माणकर्ता बताया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रभारी निदेशक प्रो. बनमाली विस्वाल ने अपने काव्य के माध्यम से गुरु शिष्य परम्परा का जीवंत वर्णन किया। उन्होंने शिक्षक के रूप में प्रो. हरिदत्त शर्मा के जीवन से सभी को शिक्षा लेने को प्रेरित किया। मुख्य अतिथि का स्वागत परिसर के आचार्य प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" एवं प्रो. देवदत्त सरोदे ने किया। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे ने किया। कार्यक्रम का संचालन गौरव त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन आदर्श पाण्डेय ने किया। उक्त कार्यक्रम में परिसर के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं सहित अन्य शोध छात्र एवं प्राक्शोध छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर 40 लाख के नए नाले से बदलेगी जल निकासी की तस्वीर

मुजफ्फरनगर। नगर पालिका परिषद ने ठोस कदम उठाते हुए जल निकासी और नागरिकों के आवागमन की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए नवनिर्मित सीसी सड़कों और सीसी नाले के निर्माण कार्य के रूप में विकास की ये सौगात जनता को समर्पित करने का अपना क्रम जारी रखा गया है।

नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने शहर के तीन वार्डों में राज्य वित्त एवं 15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि में करीब 86 लाख रुपये की लागत से पांच नवनिर्मित सीसी सड़कों और कांवड़ मार्ग पर जल निकासी को बेहतर बनाने के लिए करीब 400 मीटर लंबे सीसी नाले का लोकार्पण कर इन्हें जनता को समर्पित किया।

नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप एक बार फिर जनता को विकास की सौगात देने के लिए फील्ड में उतरीं उन्होंने कांवड़ मार्ग पर मदनी चौक से बझेडी अंडर पास तक सड़क के बाई और 15वें वित्त के अन्तर्गत बनवाये गये सीसी नाला निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। यहां पर 40 लाख रुपये की लागत से 390 मीटर सीसी नाला निर्माण कार्य कराया गया है। इसके साथ ही वार्ड 52 में ही दो सीसी सड़कों और नाली निर्माण

का कार्य पूर्ण होने पर इनका भी शुभारंभ करते हुए जनता को समर्पित किया। यहां पर वार्ड सभासद पति वाजिद अली ने स्थानीय नागरिकों के साथ पालिकाध्यक्ष का बुके देकर स्वागत किया और आभार जताया।

वार्ड 41 के सभासद हिमांशु कौशिक के साथ पालिकाध्यक्ष ने आदर्श कालोनी में आठ लाख रुपये की लागत से तैयार सीसी सड़क का भी लोकार्पण किया। यहां पर मुख्य रूप से सभासद अमित कुमार, रवि पाल, विष्णु दत्त शर्मा, पुष्पेन्द्र तोमर आदि स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका के इस कार्य की सराहना करते हुए इसे लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान की दिशा में बड़ा कदम बताया और आभार जताया।

वार्ड संख्या 26 में साकेत कालोनी मुख्य मार्ग और ब्रह्मपुरी में करीब 30 लाख रुपये की लागत से दो नवनिर्मित सीसी सड़कों और नाली निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। यहां लोगों ने फूल मालाओं के साथ पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप का स्वागत किया।

सभासद देवेश कौशिक के साथ डॉ. अशोक सिंघल, अशोक त्यागी, राजेश गुप्ता, संजय गौतम, डॉ. संजीव गौतम, संदीप वत्स, आदेश गौतम, ज्योत्सना, नीरज गौतम, भावना सिंघल, लवी शर्मा, तरूण गुप्ता, ब्रज भूषण त्यागी, गणेश दत्त आदि लोगों ने उनका अभिनंदन और स्वागत किया।

यमुना के उफान से थमा मुजफ्फरनगर का रेल यातायात

मुजफ्फरनगर। प्राकृतिक आपदाएं केवल नदियों के किनारे बसे गांवों–शहरों को ही प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि आधुनिक जीवन की रफ्तार को भी रोक देती हैं। ऐसा ही नजारा इस बार लगातार हो रही बारिश और आ रही वर्षाजनित आफत के बीच देखने को मिल रही है। दिल्ली में यमुना के उफान ने ऐसा असर दिखाया, जिसने लोहे के पुल को बंद कराकर हज़ारों रेल यात्रियों को अचानक ठहराव के संकट पर लाकर खड़ा किया।

ड्यूटी पर जाने वाले दैनिक यात्री हों या लंबी दूरी के सफर पर निकले लोग रेल यातायात ठप होने के कारण सभी फंसे हुए हैं और मुश्किलों का सामना करते हुए अपना सफर पूरा कर रहे हैं। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार करने से लोहे का रेल पुल बंद कर दिया गया है।

इस वजह से दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेनों का संचालन ठप हो गया है। मुजफ्फरनगर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों से दिल्ली आने–जाने वाले यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली जाने

के लिए मुजफ्फरनगर में भी रेल यातायात लगभग ठप हो गया है। यमुना में आई बाढ़ के कारण रेलवे विभाग ने सुरक्षा के मद्देनज़र दिल्ली–अंबाला इंटरसिटी (14521), दिल्ली–सहारनपुर पैसेंजर (64559), सहारनपुर–दिल्ली मोमो सुपरफास्ट पैसेंजर (20412) को रद्द कर दिया है। जालंधर–नई दिल्ली सुपर एक्सप्रेस को अस्थायी रूप से मेरठ तक ही चलाया जा रहा है। उत्कल एक्सप्रेस लगभग 9 घंटे की देरी से चल रही है, जिससे लंबी दूरी के यात्रियों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

सबसे अधिक दिक्कत उन यात्रियों को हो रही है जो रोज़ाना सहारनपुर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, खतौली से गाज़ियाबाद और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में नौकरी या व्यवसाय के लिए सफर करते हैं। सुबह से ही स्टेशन पर वैकल्पिक इंतज़ाम की तलाश में यात्री परेशान नज़र आए। दैनिक रेल यात्री संघ के अध्यक्ष घनश्याम भगत और महामंत्री दीपक गुप्ता ने रेलवे प्रशासन से तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है। संघ के पदाधिकारियों ने रेल मंत्री और दिल्ली मंडल के डीआरएम को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) के माध्यम से भी अवगत कराया है कि दिल्ली–शाहदरा तक ट्रेनों को चलाया जाए ताकि हज़ारों यात्री अपनी ड्यूटी पर पहुंच सकें। मुजफ्फरनगर, मेरठ, खतौली और सहारनपुर के स्टेशनों पर स्थिति गंभीर बनी हुई है।

यात्री बार–बार स्टेशन पर सूचना लेने आ रहे हैं, लेकिन फिलहाल स्थिति सुधरने के संकेत नहीं दिख रहे। प्रशासन ने कहा है कि पानी का स्तर सामान्य होने पर ही पुल पर आवागमन बहाल किया जाएगा।

GST कम करने व 2 स्लैब घटाने का उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल ने किया स्वागत

मुजफ्फरनगर। वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में यह बैठक पूरे देश के प्रदेशों के वित्त मंत्रियों के साथ सम्पन्न हुई। इस बैठक में अब तक के सबसे बड़े ळैज रिफॉर्म पर फैसला लिया गया। 12: स्लैब की आवश्यक वस्तुओं को 5:स्लैब में ओर 28: की कुछ वस्तुओं को 18:स्लैब में लाकर 12और 28:स्लैब को समाप्त किया गया, साथ ही विलासिता की श्रेणी में आने वाली वस्तुओं पर 40:जीएसटी लगेगा। यह भी समाचार है कि इन निर्णयों को 22 सितम्बर से ही लागू कर दिया जाएगा।जिससे व्यापारियों, उद्यमियों को काफ़ी राहत मिलेगी। व ट्रंप की टैरिफ वार से लड़ने में भी कामयाबी की राह आसान होगी। कई वस्तुओं के दाम घटेंगे। उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। इधर मुजफ्फर नगर सहित समूचे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, उत्तरांचल, जम्मू कश्मीर और हिमाचल तथा पंजाब में भारी बारिश का प्रकोप है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल मुजफ्फर नगर सरकार द्वारा जनहित में किए

गए जीएसटी में अब तक के सबसे बड़े सुधार का हार्दिक स्वागत करता है। एवम् प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवम् वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी का हार्दिक अभिनन्दन करता है। साथ ही देश कई राज्यों में इस समय बाढ़ और भू स्खलन की आपदाओं से जूझ रहे नागरिकों के साथ हम खड़े हैं। अशोक कंसल वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष, अजय कुमार सिंघल नगर अध्यक्ष, श्याम सिंह सैनी जिला महामंत्री, प्रवीण खेड़ा नगर महामंत्री, सुलखान सिंह नामधारी, राकेश गर्ग, बाबूराम, दिनेश बंसल, अजय गुप्ता, अनिल तायल, अलका शर्मा, अंजू शर्मा, अनीशा भटनागर, अमित मित्तल, पंकज अपवेजा आदि।

विदाई एवं सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

प्रयागराज। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर ईविंग क्रिश्चियन महाविद्यालय में सेवानिवृत शिक्षकों के लिए विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सत्र 2024 – 25 में सेवानिवृत्ति हुए जीव विज्ञान विभाग के डॉ लिली सरोज नाथन, रसायन शास्त्र विभाग के डॉ विक्रम मिश्रण, भौतिक विज्ञान विभाग की प्रोफेसर कुसुम लता पांडे, वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रोफेसर सोनाली चतुर्वेदी, अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर विवेक कुमार निगम, उर्दू विभाग की प्रोफेसर एल.एफ. नकवी और शिक्षा शास्त्र विभाग के प्रोफेसर विद्यापति को अंगवस्त्रम ओढ़ाकर और प्रशास्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्राचार्य प्रो ए एस मोजेस और शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो थामस अब्राहम के साथ विभाग के सभी शिक्षकों ने मिलकर सेवानिवृत शिक्षकों को सम्मानित किया। सभी विभागों के विभाग अध्यक्षों ने सेवानिवृत शिक्षकों के सम्मान में प्रशस्ति पत्र का वाचन किया।

कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए प्राचार्य प्रो अरुण एस मोजेस ने कहा कि इन शिक्षकों की मेहनत, समर्पण और त्याग के कारण ही महाविद्यालय अपनी एक अलग विशिष्ट पहचान बनाने में सफल रहा है। कार्यक्रम का संचालन प्रो उमेश प्रताप सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो थॉमस अब्राहम ने किया। प्रो जस्टिन मसीह ने प्रार्थना तथा गीत प्रस्तुत किया। महाविद्यालय शिक्षक संघ और प्रबंधन तंत्र के सहयोग टूकर हाल में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आयोजन में प्रो थामस, प्रो उमेश सिंह, डॉ अरुणेय मिश्रा, डॉ सुदीप तीरकी, डॉ प्रेमप्रकाश सिंह, डॉ अंशु सिंह, डॉ गजराज, डॉ पद्मभूषण का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में पूर्व प्राचार्या डॉ जी एस जमन, डॉ के पी तिवारी, डॉ एल हर्मिट, डॉ रामप्रकाश सिंह, डॉ अनिल तिवारी,डॉ ए डी एम डेविड, डॉ शिवभानु सिंह, डॉ शिखी सहाय, डॉ संजय शुक्ल सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं उपस्थित थे।

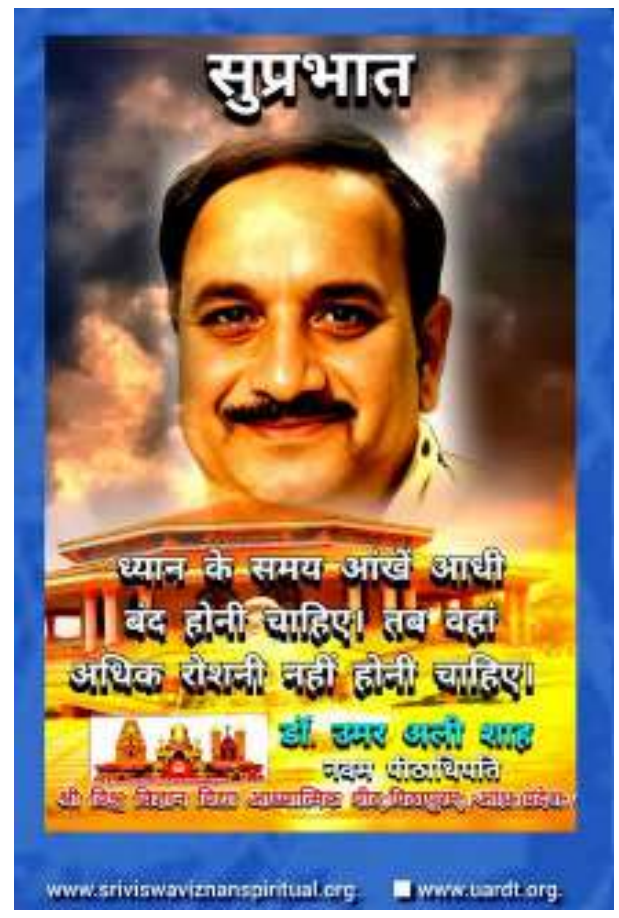

कहता लाल गुलाब

(कुण्डलिया)

ख़ामोशी के शब्द में, भरता है जो नाद।
कहते उसे गुलाब हैं, लगता है दिलशाद।
लगता है दिलशाद, सन्त– सूफी का प्यारा।
बनकर प्रेम प्रतीक, सभी का बना सहारा।
सुन लो कहें प्रदीप, मुहब्बत की मदहोशी।
सबमें भरे गुलाब, मगर रहती ख़ामोशी।।

मंगल की कर कामना, कहता लाल गुलाब।
भरकर नेह सुगन्ध को, बनो महकता आब।
बनो महकता आब, हरे जो पीड़ा सबकी।
प्रेम मुहब्बत प्यार, करें सब बातें रब की।
सुन लो कहें प्रदीप, नीर–सा बनकर निर्मल।
मौसम से हो परे, करो बस सबका मंगल।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी का पहला दीक्षांत समारोह

कॉलेजों में मनमानी फीस बढ़े तो राजभवन में शिकायत करें : राज्यपाल

लखनऊ, संवाददाता। अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी का पहला दीक्षांत समारोह मनाया गया। इसमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल पहुंचीं। उन्होंने कहा कि किसी भी यूनिवर्सिटी के लिए पहला दान किसान करता है। उसकी जमीन ली जाती है। किसानों की मदद नौकरी देकर की जाए। कॉलेजों की हर साल 5 लाख तक फीस बढ़ा देना गलत है। अगर ऐसा कहीं होता है तो राजभवन आकर शिकायत करिए। समारोह में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण भी मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह में कुल 74 मेधावियों को मेडल दिए गए। वंदे मातरम् के गायन से कार्यक्रम का आगाज हुआ। कुलपति संजीव मिश्रा ने कहा पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों साल 2020 में इस विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया गया था। सीबीएमआर के साथ एमओयू किया गया है। इसी सत्र से पीएचडी पाठ्यक्रम का आगाज हुआ है। डिजिटल लाइब्रेरी भी बनाई जा रही है। एआई में भी विश्वविद्यालय काम कर रहा है। 8526 स्टूडेंट्स की उपाधि डीजी लॉकर पर अपलोड कर दी गई है। यहां राज्यपाल ने उन्हें उपाधि। राज्यपाल कॉलेजों की बढ़ती फीस पर खफा हैं। बोलीं खुद से फीस बढ़ाने वालों के खिलाफ शिकायत करने के लिए राजभवन के दरवाजे हमेशा खुले हैं। श्री राम स्वरूप यूनिवर्सिटी के विवादों के बीच राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने नसीहत भी दी। उन्होंने कहा हर सत्र में 5 लाख तक की फीस बढ़ाना गलत। आगरा में एक बच्चे के एडमिशन के लिए 15 लाख के डोनेशन देने के प्रकरण का किया उल्लेख। कहा गरीब पेरेंट्स ने जमीन बेचकर 15 लाख की व्यवस्था की और फिर क्लास शुरू होने से पहले ही बच्चे की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बड़ी मुश्किल से उनके हस्तक्षेप के बाद परिजनों को वापस पैसा मिल पाया।मेजर श्रुति शंकर ने पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग 2022 बैच में गोल्ड मेडल पाया है। वह कमांड हॉस्पिटल चंडीगढ़ में कार्यरत हैं। 14 साल सेना में एक्सपीरियंस हैं। केरल की रहने वाली हैं। पढ़ाई कमांड हॉस्पिटल लखनऊ से की है। फिलहाल चंडीगढ़ के कमांड हॉस्पिटल में कार्यरत हैं।

टाटानगर–जम्मू तवी मुरी एक्सप्रेस का हाथरस स्टेशन एवं दिल्ली–अलीपुर द्वार महानंदा एक्सप्रेस का शिकोहाबाद स्टेशन पर ठहराव

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की विशेष सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी सं. 18101/18102 टाटानगर-जम्मू तवी मुरी एक्सप्रेस का **हाथरस स्टेशन** एवं गाड़ी सं. 15484/15483 दिल्ली-अलीपुर द्वार महानंदा एक्सप्रेस का **शिकोहाबाद स्टेशन** पर ठहराव प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	तिथि से प्रभावी: प्रारम्भिक स्टेशन से	तिथि से प्रभावी: हाथरस/शिकोहाबाद स्टेशन पर ठहराव
18101 टाटानगर-जम्मू तवी मुरी एक्सप्रेस (सप्ताह में 3 दिन)	हाथरस	17:25	17:27	07.09.25	08.09.2025
18102 जम्मू तवी-टाटानगर मुरी एक्सप्रेस (सप्ताह में 3 दिन)	हाथरस	09:03	09:05	06.09.25	07.09.2025
15484 दिल्ली-अलीपुर द्वार महानंदा एक्सप्रेस (प्रतिदिन)	शिकोहाबाद	11:45	11:47	07.09.25	07.09.2025
15483 अलीपुर द्वार-दिल्ली महानंदा एक्सप्रेस (प्रतिदिन)	शिकोहाबाद	15:38	15:40	07.09.25	08.09.2025

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1605/25 (ADM)

सम्पादकीय.....

उम्मीदों की चिप

भारत ने टेक क्रांति की तरफ बढ़ते हुए पहला पूर्णतः स्वदेशी 32–बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित कर लिया है। इसरो की सेमीकंडक्टर लैब इस कामयाबी की साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं। जिनमें से एक पंजाब के मोहाली में स्थित है। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है। भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया–2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। यहां तक कि छोटा–सा देश ताइवान दुनिया के लगभग साठ फीसदी से ज्यादा सेमीकंडक्टर का उत्पादन कर रहा है। जिसमें करीब नब्बे फीसदी उन्नत सेमीकंडक्टर शामिल हैं। दरअसल, कोविड संकट के बाद आधुनिक तकनीक व उन्नत उपकरणों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर होड़ पैदा हो गई है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान–विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान–विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति शृंखला को मजबूत बना सकते हैं। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिये डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विस्तार के साथ ही, इसके तहत दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार पचास फीसदी पूंजीगत सहायता दे रही है। वहीं राज्य सरकारें कुल परियोजना लागत का बीस फीसदी प्रोत्साहन दे रही हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2025 के उद्घाटन मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा भी कि सरकार इस मिशन और उसको तैयार करने से जुड़ी डीएलआई योजना के अगले फेज पर काम कर रही है। निश्चित रूप से केंद्र के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल,राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों–करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है। जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वदेशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा।

बारिश का कहर

डॉ. दीपक पाचपोर

गुरुग्राम में बारिश से जाम और सड़कों के नदियों में तब्दील होने की घटना केवल 2025 की नहीं है, बरसों से यही होता आ रहा है। लेकिन अब भी जिम्मेदारी लेने की जगह पुरानी सरकारों पर ठीकरा फोड़ा जा रहा है।

सोमवार रात को भी गुरुग्राम की सड़कों पर भारी जाम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई रहीं। किसी रिहायशी इमारत की ऊंची मंजिल से लिए गए वीडियो और तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि सड़कों पर गाड़ियां चल नहीं रही थीं, रेंग रही थी। बताया जा रहा है कि यह जाम करीब 20 किमी लंबा था। अमूमन जो सफर आधे घंटे में तय होता था, उसमें लोगों को पांच–छह घंटे लग गए। अपनी–अपनी गाड़ियों में फंसे लोग इस अव्यवस्था पर नाराज तो हुए, लेकिन शायद जनता अब तक यह तय नहीं कर पाई है कि असल में नाराजगी किस पर उतारना है। अगर यह समझ विकसित होती तो जिस शहर में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तर हैं, सौ–सौ करोड़ के आलीशान घर हैं, भव्य मॉल्स बने हैं, वहां का रख–रखाव इतना बुरा नहीं होता। गुरुग्राम में बारिश से जाम और सड़कों के नदियों में तब्दील होने की घटना केवल 2025 की नहीं है, बरसों से यही होता आ रहा है। लेकिन अब भी जिम्मेदारी लेने की जगह पुरानी सरकारों पर ठीकरा फोड़ा जा रहा है। पिछले 11 सालों से केंद्र और हरियाणा दोनों जगह बीजेपी ही सत्ता में है, लेकिन भाजपा सांसद निशिकांत दुबे कह रहे हैं कि बिना सरकारी प्लानिंग के प्राइवेट बिल्डर्स इंडियन नेशनल कांग्रेस के साथ मिलकर भ्रष्टाचार का शहर बनाएंगे तो गुरुग्राम जैसा शहर ही बनेगा। बड़ी आसानी से भाजपा सांसद ने कांग्रेस को दोषी बता दिया। लेकिन उनसे पूछा जा सकता है कि अगर गुरुग्राम भ्रष्टाचार की बुनियाद पर बना था, तो उसका नाम गुड़गांव से गुरुग्राम करने से पहले भ्रष्ट तरीकों से बनी इमारतों, सड़कों को बुलडोजर से भाजपा ने ध्वस्त क्यों नहीं कर दिया। 11 सालों में तो कई भ्रष्टाचारियों का पता लगाया जा सकता था, तो किसी को अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। जाहिर है भाजपा का कोई इरादा व्यवस्था में सुधार का नहीं है। चूंकि गुरुग्राम या दिल्ली की खबरें राष्ट्रीय मीडिया में लाना सबसे आसान है, इसलिए गुरुग्राम की बदहाली नजर आ रही है। वर्ना सारे देश का बारिश में यही हाल हो जाता है, क्योंकि शहर प्रबंधन की बारीकियों से ज्यादा दिखावटी सौंदर्यीकरण में सरकार की दिलचस्पी रहती है। इसमें ठेकेदारों को मनचाहे दामों पर काम मिलता रहता है, जनता भी इस मुगालते में पड़ी रहती है कि उसका शहर वर्ल्ड क्लास बनने वाला है। कहीं सिंगापुर सिटी बनती है, कहीं क्योटो और शंघाई के सपने दिखाए जाते हैं। जनता का गरीब तबका तो झुग्गियों में ही रहने को मजबूर है, उसने न दुनिया के शहर देखे, न वो जानता है कि गरिमामय जीवन की असल परिभाषा क्या है। लेकिन जिन लोगों ने विदेशों की सैर की है, वे भी यह समझ नहीं पा रहे कि वहां अधोसंरचना तैयार करने का जिम्मा विशेषज्ञों के पास रहता है, उन पर राजनैतिक दबाव नहीं रहता। भारतीय नेता सत्ता में आने के बाद विकास के अध्ययन के लिए विदेशों की सैर तो कर आते हैं, लेकिन उसका हासिल क्या होता है, यह किसी रिपोर्ट कार्ड में दर्ज नहीं होता। जब चुनाव आते हैं तो बिजली, सड़क, पानी के वादे घोषणापत्र का हिस्सा बन जाते हैं, लेकिन उस समय भी न जनता पिछला हिसाब मांगती है, न सत्ताधारी दल ये बताते हैं कि क्यों दो–तीन की बारिश भी हमारे शहर–कस्बे झेल नहीं पा रहे हैं। गुरुग्राम–दिल्ली में इमारतें, सड़कें डूब रही हैं, तो उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब में खेत–खलिहान, मवेशी, घर डूब रहे हैं। बाढ़ और भूस्खलन के लिए जलवायु परिवर्तन को दोष देना अब सबसे आसान बहाना हो गया है। लेकिन ऐसे बहानों की आड़ में छिपने वाले यह भूल रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन केवल भारत के लिए नहीं है, दुनिया भर के लिए है। दरअसल पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और नदियों में उफान की सबसे बड़ी वजह यही है कि बिना सोचे–समझे यहां निर्माण कार्य हुआ है। अंग्रेजों ने भी भारत में पहाड़ों पर निर्माण किए, लेकिन उससे पहले उन्होंने परखा था कि कौन से पहाड़ मजबूत हैं, कौन से नहीं। यही वजह है कि हिमाचल रेलवे, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एंडवास्ड स्टडीज, देहरादून, रानीखेत आदि में अंग्रेजों की बनाई सड़कें सौ साल बाद अब भी सलामत हैं। जबकि कुछ साल पहले बनी इमारतें, सड़कें, पुल सब गिर रहे हैं। अभी उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण देहरादून, टिहरी, पौड़ी गढ़वाल, बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, उधम सिंह नगर और हरिद्वार जिलों में रेड अलर्ट जारी है। लेकिन आम जनजीवन लंबे वक्त से प्रभावित चल रहा है। उत्तरकाशी के कूपड़ा गांव से 12 किलोमीटर दूर राजकीय इंटर कॉलेज राणाचट्टी में 13 गांवों के छात्र पढ़ते हैं। लेकिन पिछले दो महीने से बच्चे स्कूल नहीं आ पा रहे, क्योंकि सड़कें बह चुकी है। दसवीं और बारहवीं की प्री–बोर्ड परीक्षाएं फरवरी में और बोर्ड परीक्षाएं मार्च में होनी हैं। ऐसे में यहां पढ़ने वाले बच्चे किस तरह पाठ्यक्रम पूरा करेंगे और परीक्षा के लिए तैयार रहेंगे, इसका कुछ पता नहीं है। बच्चे किस मानसिक संताप से गुजर रहे होंगे, इसका अंदाजा सरकार को नहीं होगा। इधर पंजाब में भी हालात बिगड़ रहे हैं। राज्य के आठ जिलों के सैकड़ों गांव जलमग्न हो गए हैं और कम से कम 24 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से ज्यादातर इमारतें गिरने की वजह से हुई हैं। भाखड़ा और रंजीत सागर जैसे बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण सतलुज, व्यास और रावी नदियां उफान पर आ गई हैं। किसानों की फसलें डूब गई हैं, खासकर आलू की फसल काटने का यही वक्त है, लेकिन खेतों में पानी भरा है।

शिक्षक दिवस की प्रासंगिकता

भारत में सबसे पहले शिक्षक दिवस 5 सितंबर, 1962 को मनाया गया था। भारत में भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण के जन्म दिवस अर्थात 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से अपने जन्म दिवस पर शिक्षक दिवस मनाने की इच्छा जताई थी कि मेरा सौभाग्य होगा यदि अलग से मेरा जन्मदिवस मनाने की बजाए 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर, 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ. राधाकृष्णन का निधन चेन्नई में 17 अप्रैल, 1975 को हुआ था। भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण के सम्मान में ही उनके जन्म दिवस पर भारत में शिक्षक दिवस मनाने की शुरुआत हुई।

'शिक्षक का महत्व'

शिक्षक का हर मानव के जीवन में विशेष स्थान होता है। यह शिक्षक ही है, जो किसी मनुष्य को इंसान बनाता है। शिक्षक का स्थान मानव जीवन में भगवान और माता–पिता से भी ऊपर है। यही वजह है कि शिक्षक के बारे में जो कहा जाए कम ही है।

तभी तो स्वयं कबीर दास जी इस विषय पर कहते हैंरू–

'सब धरती कागज करूँ, लिखनी सब बनराय।'

'सात समुद्र की मसि करूँ, गुरु गुण लिखा न जायघ'

इसका अर्थ यह है कि यदि सम्पूर्ण पृथ्वी को कागज के रूप में परिवर्तित कर दिया जाए, साथ ही सातों समुद्र की स्याही बना ली जाए और क्यों न सभी जंगलों की कलम भी बना ली जाए, लेकिन इसके बावजूद भी शिक्षक की महिमा का संपूर्ण गुणगान किया जा सके, यह संभव नहीं है।

'गुरू भगवान से बड़ा'

भारत में प्राचीन काल से ही गुरु–शिष्य की परंपरा का बहुत अधिक महत्व रहा है। हमारी संस्कृति के निमार्ण में गुरु–शिष्य परंपरा का बहुत अधिक योगदान है। मानव के जीवन निर्माण के सभी स्तंभों में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है।

इसलिए ही कहा जाता है कि –

'गुरुर्ब्रह्मा, गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वररू।'

'गुरुर्साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमरू।।'

शिक्षक अपने शिष्य के जीवन के साथ साथ उसके चरित्र निर्माण में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। कहा जाता है कि इंसान की सबसे पहली गुरु उसकी माँ होती है, जो अपने बच्चों को जीवन प्रदान करने के साथ–साथ जीवन के आधार का ज्ञान भी देती है। इसके बाद अन्य शिक्षकों का स्थान होता है। किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण करना बहुत ही विशाल और कठिन कार्य है। व्यक्ति को शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ उसके चरित्र और व्यक्तित्व का निर्माण करना उसी प्रकार का कार्य है, जैसे कोई कुम्हार मिट्टी से बर्तन बनाने का कार्य करता है। इसी प्रकार शिक्षक अपने छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के साथ साथ उसके व्यक्तित्व का निर्माण भी करते हैं।ष

इसलिए ही कबीर कहते हैं रू

'गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि–गढ़ि काढ़ै खोट।'

'अन्तर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोटघ'

इस दोहे का अर्थ यह है कि शिक्षक उस कुम्हार की तरह है जो अपने छात्र रूपी घड़े की कमियों को दूर करने के लिए भीतर से हाथ का सहारा देकर बाहर से थापी से चोट करता है। ठीक इसी तरह शिक्षक भी कभी–कभी शिक्षक छात्रों पर क्रोध करके भी उसके चरित्र का निर्माण करते हैं तथा उन्हें बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। यही वजह है कि शिक्षक और शिक्षक दिवस का महत्व भारतीय संस्कृति में कहीं ज्यादा है।ष

संत कबीर जी की ये पंक्तियां भी ख्याल कीजियेगारू–

'ष्गुरु पारस को अन्तरो, जानत हैं सब सन्त।'

'वह लोहा कंचन करे, ये करि लये महन्तघ'

अर्थात रू गुरु और पारस – पत्थर में अन्तर है, यह सब सन्त जानते हैं। पारस तो लोहे को सोना बनाता है, परन्तु गुरु शिष्य को अपने समान महान बना लेता है।

'शिक्षक तथा शिक्षक दिवस का जनहित में योगदान'

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्ण कहा करते थे कि रू "पुस्तकें वह साधन हैं, जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के मध्य पुल बनाने का कार्य कर सकते हैं।"

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्ण का यह कथन न सिर्फ सत्य और अपने आप में प्रासंगिक है, बल्कि दो संस्कृतियों के साथ–साथ मनुष्यों के मध्य भी बेहतर संबंधों का निर्माण करने हेतु शिक्षा अति आवश्यक है।

शिक्षा के प्रसार से ही किसी समाज या किसी देश का निर्माण हो सकता है। शिक्षित होना हमेशा से बहुत महत्वपूर्ण रहा है। बेहतर जीवन की परिकल्पना में शिक्षा आधार का कार्य करती है। इसके साथ ही एक बेहतर मनुष्य होने में भी शिक्षा एक महत्वपूर्ण किरदार अदा करती है। यह मनुष्य को दूरद्रष्टा बनाकर उसके भीतर विचारों के प्रवाह को सही दिशा प्रदान करने जैसा जरूरी कार्य करती है, लेकिन यह केवल तभी संभव है जब मनुष्य को एक सही शिक्षक मिले जो उसे सही दिशा प्रदान करे। मनुष्य को योग्य बनाने का कार्य शिक्षक द्वारा ही किया जाता है।एक राष्ट्र विकसित तब ही हो सकता है, जब उसके शिक्षक योग्य हों।शिक्षकों के बगैर इस देश का विकास नामुमकिन है, जिसके लिए उनका जितना भी धन्यवाद किया जा सके, उतना कम है। शिक्षकों के बिना एक स्वस्थ और शालीन समाज व राष्ट्र की कल्पना भी बेईमानी है।

शिक्षक हमारे जीवन में मार्गदर्शन का कार्य करते हैं। जीवन में आने वाले संघर्षों का तटस्थता के साथ सामना करने के लिए हमें शिक्षक ही तैयार करते हैं। ताकि हम कभी जीवन में किसी के सामने न झुकें। बेहतर जीवन की परिकल्पना शिक्षा के बिना अधूरी है और शिक्षा के साथ–साथ जीवन में मौलिकता तथा शिष्टाचार प्राप्त करना भी बेहद जरुरी है। शिक्षित होने के साथ–साथ व्यक्ति का शिष्ट होना बेहद आवश्यक है, यदि व्यक्ति शिष्ट है तब ही तो वह मानव है और यदि नहीं है तो उसे पशु की उपाधि दी जाती है। यह शिष्टता प्राप्त करने के लिए ही हम गुरु के सानिध्य में आते है, ताकि हम बेहतर जीवन प्राप्त करने के साथ–साथ बेहतर इंसान भी बन सके।

इसिलए भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्ण जी कहते थे रू

'"भगवान हम सबके भीतर है, महसूस करता है और कष्ट सहता है और समय के साथ उनके गुण, ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम हममें से हर एक के मन में उजागर होंगे"'

'गुरू के प्रति कृतज्ञता'

शिक्षक दिवस मूलतः इसलिए मनाया जाता है, ताकि हम अपने सभी शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता जता सकें। उन्हें हमें बेहतर शिक्षा प्रदान करने तथा हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करने के लिए धन्यवाद देना ही इस दिन को मनाने का उद्देश्य है। एक राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों का योगदान अतुल्य है, जिसके लिए उनका जितना भी धन्यवाद किया जाए कम है। एक राष्ट्र विकसित तब ही हो सकता है, जब उसके शिक्षक योग्य हों। वैसे तो विश्व के सभी शिक्षक पूजनीय हैं, मगर कुछ शिक्षक ऐसे भी हुए जिन्होंने अपने कार्यों से भारत को सफलता की ऊँचाइयों तक ले जाने का कार्य किया। वैसे तो इनकी सूची लंबी है, मगर इसमें राजा राम मोहन राय, स्वामी विवेकानंद, डॉ भीम राव अम्बेडकर, मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद, एपीजे अब्दुल कलाम ऐसे शिक्षक थे, जिन्होंने अपने राष्ट्र के निर्माण में अनंत योगदान प्रदान किया।

'उपसंहार'

सामाजिक तौर पर मनुष्य का साथ रहना, मनुष्य का स्वभाव है। समाज कई लोगों से मिलकर बनता है, जिसमें अच्छे व बुरे, दोनों ही तरह के लोग होते हैं। जाहिर है कि अच्छे लोगों ने समाज को कुछ बेहतर बनाने की कोशिश की, तो वहीं बुरे लोगों की वजह से समाज में बुराइयाँ, कुंठा, घृणा, कुरीतियाँ आदि जैसी चीजों ने भी जन्म लिया। ऐसे में हमारे शिक्षकों ने अपने योगदान के माध्यम से उन कुंठाओ, कुरीतियों, अज्ञानता आदि को दूर करने का प्रयास किया है। आज भी हमारे देश में कई ऐसे शिक्षकों के उदाहरण मिलते हैं, जिनके बारे में सुनकर हमारा हृदय गौरवान्वित हो उठता है।

निस्वार्थ निःशुल्क रविवार को' 'शिक्षक पढ़ाते, रखते संग'

सत्तर अस्सी दशक की बात है । हम विद्यालय में पढ़ते थे, छात्र जीवन था । शिक्षक के पास पढ़ने जाते ।

ऐसा भी पाया कि शिक्षक घर में भी बिना स्वार्थ के
रविवार के दिन पढ़ाते ।।खेलने कूदने से ज्यादा उत्फुल्लित
मन होता था पढ़ने का । रविवार का यह दिन पढ़ने में
चाव से भर जाता । पढ़ने ओर पढाने का चाव
शिक्षक और छात्र दोंनो में होता ।
शिक्षाज्ञान और शिक्षादान दोनो में मन का भाव मन का
विचार किसी भी प्रकार की आशा नहीं करता ।
बिल्कुल ही निःशुल्क सेवा का आनंदित मजे में होता ।
अतिरिक्त पढ़ाई के वातावरण में चार चांद लगा देते ।

समय की कोई सीमा नही रहती, ऐसा नहीं था जबतक इच्छुक रहते पढ़ते, शिक्षक थकते नहीं वो हमसे ज्यादा पढाने को इच्छुक होते पूछते और पूछो कौन सा सवाल पूछना है बार बार दोहराते। शिक्षादान का स्वभाव शिक्षक में रुकने का नाम ही नहीं लेता। सभी कार्यक्रम रद्द ।शायद ही कोई दूसरा कार्यक्रम रविवार का भाग ले, सभी स्वतः पढ़ने पढाने के चाव में रद्द करते दूसरे आयोजन में रविवार । निःशुल्क पढ़ने के लिए । शिक्षक और छात्र का मेलमिलाप मनविचार अजीबोगरीब होता। शिक्षक सिंहजी थे, खुद कक्षा तीसरी तक पढ़ाई किये ऐसा अंकगणित का उदाहरण बताते जिससे अंकगणित में कमजोर छात्र भी मेधावियों की सूची में नाम दर्ज कराता । एक एक विद्यार्थी सिंघजी के पास जाकर अंकगणित सीखने को उत्सुक होता था । रविवार के दिन बिल्कुल सादे वस्त्र में थे शिक्षक सिंहजी ।

उनके घर जाने की बात उनका नाम मन में
याद रखते । मुझे याद है निस्वार्थ भावना में पढ़ाते विद्यालय की तरह रविवार को शिक्षक के घर पहंचते। अंक गणित बिन पारिश्रमिक लिए पढ़ाते । प्रत्येक विद्यार्थियों को रविवार या फिर अन्य किसी अवकाश के दिन निःशुल्क पढ़ने का उमड़ आता । शिक्षक के घर पर सोने का तखत ही मेज बनता । किनारे पर बैठते । एक विद्यालय ही नजर आता । घर बहुत ही दूर था । तनमन से विद्यार्थियों को अध्ययन कराते ।

एक एक प्रश्न को समझाकर बताते खूब मग्न से पढ़ाते थे । शिक्षक कहते मेरा मूल लक्ष्य है कोई भी बच्चा
कमजोर न रहे । परीक्षाफल में सफलता पाए ।
सभी बच्चो का भविष्य उज्ज्वल हो । हम
सुबह आठ बजे से दोपहर 1 बजे तक पढ़ने में गहरे लीन हो जाते भूख प्यास का पता ही रहता । गणित या उच्च गणित सीखने के उत्सुक विद्यार्थियों की कतार लगती ।

एक एक करके बड़े चाव से अंक गणित का प्रश्न पूछते। यह बहुत ही आनंद का पल कहीं अधिक उस वक्त होता कि

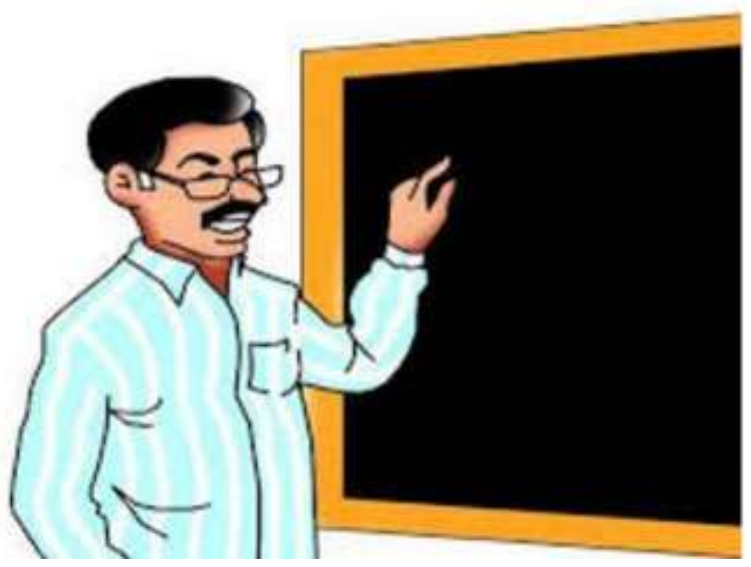

हमारे लिए केटली में उबली गरम चाय आती ।उसके साथ खाने को गरम समौसे भी आते । उसके आने व खाने का इंतजार जोरों पर होता था । साईकिल में दो सवारी सवार होकर किसी तरह पहुंच जाते तक जाते । कई बार साइकिल पंचर होती तो उसे ठीक कराने में देर भी हो जाती । देर होने पर भी शिक्षक इंतजार करते । सबको एक साथ पढ़ते देख बहुत खुश होते । उन शिक्षक का घर खेड का बना था ।

उस बने कच्चे घर में मात्र एक चारपाई के अगल बगल में बेंच पर चिपक चिपक पर बैठते । कई बार नए विद्यार्थी आते । उसी में बैठने की जगह कम पड़ जाती । उसके चारों तरफ जो बिठाने की व्यवस्था वह बांस के खूंटे पर थी ।

उसपर काठ के तख्त लगे रहते, हम उसी पर जा बैठते । सिंहजी शिक्षक खूब प्रतीक्षा करते । उनके सामने गिनती होती कम होते तो पूछते बाकी कहाँ है क्यों नहीं आये । हम घेरे में बैठ जाते । वे पढ़ाने में लग जाते । सिंघाड़ा कचौड़ी चाय का इंतजाम अंत में होता । क्या आनंद कितना उत्साह कितनी खुशी । कितना जोश रहता । चौबेजी तो ऐसे शिक्षक
थे जो फालतू घूमने पर अगले दिन गहन पूछताछ करते । उनकी डांट का भय लगता। विद्यालय में अनुपस्थित
रहने का कारण पूछते,यह पूछताछ
शिक्षक से कभी भी झूठ बोलने से
दूर रखती, शिक्षक स्वयं हमारी
मन की बात पढ़ लेते । हाँ कभी
मौसम बिगड़ता तो कभी प्रदुमल जी कहानियों की बौछार करते, हम हँसते
हमें हंसाते, हमें खुशी का अहसास
शिक्षक कराते । शिक्षकों के संग बीते
एक एक पल अनमोल होते है, हम याद करते है शिक्षक को, उनके ज्ञान का मोल सच्ची श्रद्धा से शिक्षक दिवस पर दे ।

'ललित शर्मा, असम'

सादगी में भी स्टाइल! चर्चा में रणदीप और लिन का नया फोटोशूट, लोगों को खूब भा रही कपल की ट्रेडिशनल केमिस्ट्री

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम इंडस्ट्री के क्यूट कपल्स में से एक हैं। हाल ही में दोनों ने एक नया फोटोशूट करवाया है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस फोटोशूट के जरिए दोनों ने भारतीय त्योहारों की खूबसूरती और परंपरा को बेहद खास अंदाज में पेश किया है। तस्वीरों में उनकी सादगी फैंस का खूब दिल जीत रही है। फोटोशूट में रणदीप हुड्डा ने सफेद रंग का कुर्ता–पायजामा पहना है, जो उन्हें एक सिंपल लेकिन गरिमामय लुक दे रहा है। वहीं, लिन लैशराम ने लाल रंग की साड़ी में नजर आ रही हैं, जिसमें सुनहरी धारियां, गजरा और माथे पर सिंदूर उनकी सुंदरता को और निखार रहे हैं। यह तस्वीरें देखकर ऐसा लगता है जैसे किसी पेंटिंग को जीवंत कर दिया गया हो। फोटोशूट में दिख रही पुरानी लकड़ी की खिड़कियों से आती रोशनी, चारों ओर हरियाली, और घर जैसा माहौल इस शूट को और खास बना देता है। त्योहारों की रौनक, भारतीय संस्कृति, और कपल के बीच का प्यार इन तस्वीरों से साफ झलकता है। इन तस्वीरों पर रणदीप हुड्डा के फैंस खूब प्यार बरसा रहे हैं। लोग रणदीप और लिन की केमिस्ट्री की तारीफ कर रहे हैं। कई फैंस ने कहा कि यह जोड़ी सच में प्यारी और रियल लगती है। बहुत से लोग अब जानना चाहते हैं कि रणदीप हुड्डा की पत्नी लिन लैशराम कौन हैं। तो आपको बता दें कि लिन एक एक्ट्रेस, मॉडल और बिजनेसवुमन हैं। वह नॉर्थ–ईस्ट इंडिया से ताल्लुक रखती हैं और कई हिंदी फिल्मों व वेब सीरीज में नजर आ चुकी हैं।

> “
> त्योहारों की रौनक, भारतीय संस्कृति, और कपल के बीच का प्यार इन तस्वीरों से साफ झलकता है। इन तस्वीरों पर रणदीप हुड्डा के फैंस खूब प्यार बरसा रहे हैं। लोग रणदीप और लिन की केमिस्ट्री की तारीफ कर रहे हैं। कई फैंस ने कहा कि यह जोड़ी सच में प्यारी और रियल लगती है। बहुत से लोग अब जानना चाहते हैं कि रणदीप हुड्डा की पत्नी लिन लैशराम कौन हैं।

जाह्नवी की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का गाना 'बिजुरिया' रिलीज, एक्ट्रेस बोलीं– खुद को नाचने से रोक पाना मुश्किल

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' हाल ही में रिलीज हुई है। इसकी रिलीज के साथ ही अब वह अपनी अगली फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के प्रमोशन में जुट गई हैं। इस फिल्म जाह्नवी एक नए और ताजा अंदाज में नजर आएंगी, जिसका अंदाजा फिल्म के टीजर से ही लगाया जा सकता है। इसी बीच फिल्म के मेकर्स ने पहला गाना 'बिजुरिया' रिलीज कर दिया है, जिसमें जाह्नवी और वरुण धवन की जोड़ी दर्शकों का दिल जीत रही है। अपने इस गाने को लेकर जाह्नवी कपूर ने कहा– बिजुरिया हमेशा से ऐसा गाना रहा है जो आपको उठकर नाचने पर मजबूर कर देता है। इस गाने को फिर से इस फिल्म में लाना मेरे लिए बेहद मजेदार अनुभव रहा। इसका नया वर्जन पुराने जादू और नई ताजगी का ऐसा परफेक्ट मिश्रण है, जिसे सुनकर नाचने से खुद को रोक पाना मुश्किल है। वरुण और पूरी टीम के साथ शूटिंग करना शानदार रहा। मुझे पूरा यकीन है कि यह गाना लोगों के दिलों में बस जाएगा और हर कोई इस पर थिरकने से खुद को रोक नहीं पाएगा। बता दें, इन दिनों जाह्नवी का शेड्यूल काफी व्यस्त है। वह जल्द ही राम चरण के साथ फिल्म 'पेड्डी' में स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

तान्या मित्तल के लग्जरी घर के दावों पर लोगों ने उड़ाया मजाक, कहा–इनकम टैक्स वाले कहां हैं?

बिग बॉस 19 में नजर आ रही मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल इन दिनों अपनी लैविश लाइफस्टाइल के दावों की वजह से सुर्खियों में हैं। शो के एक एपिसोड में उन्होंने नीलम गिरी को अपने घर के बारे में ऐसी–ऐसी बातें बताईं जिसे सुनकर सब हैरान रह गए। तान्या ने दावा किया, मेरा घर इतना शानदार है कि 7 स्टार होटल भी उसके सामने फीके लगेंगे। अगर धरती पर स्वर्ग होता तो वैसा ही दिखता। उन्होंने आगे बताया, मेरे घर में कपड़ों के लिए अलग से पूरा एक फ्लोर है, जो 2500 स्क्वेयर फीट में फैला हुआ है। हर फ्लोर पर 5 नौकर रहते हैं, 2 किचन स्टाफ हैं और 7 ड्राइवर्स हैं। यह पहली बार नहीं है जब तान्या ने अपनी लग्जरी लाइफ के बारे में ऐसे दावे किए हों। इससे पहले भी एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने प्रणित मोरे को बताया था कि उनके घर की किचन की शेल्फ में लिफ्ट लगी हुई है। उन्होंने कहा था, वहां सामान रखो और एक बटन दबाओ तो वह ऊपर पहुंच जाता है। तान्या के इन दावों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने जमकर मजाक उड़ाया। एक यूजर ने लिखा, इनकम टैक्स वाले कहां हैं, सीतारमण मैम देखो जरा। दूसरे ने कहा, अनीता अंबानी का एंटीलिया भी फेल है। कई लोगों ने सवाल किया, इतनी अमीर है तो बिग बॉस में क्यों गई है? एक यूजर ने तंज कसते हुए लिखा, बेचारी को बॉयफ्रेंड ने धोखा दिया था ना, उसका सदमा अभी तक है। वहीं कुछ लोगों ने तो यह भी कहा, फेंकने की भी लिमिट होनी चाहिए। कई लोगों ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को टैग करते हुए लिखा, बिग बॉस देखिए जरा। तान्या मित्तल एक मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। उन्होंने खुद का एक बिजनेस भी शुरू किया हुआ है जिसका सालाना टर्नओवर 2 करोड़ रुपये बताया जाता है। वह बिग बॉस 19 में अपनी बोल्ड और बेबाक छवि की वजह से चर्चा में बनी हुई हैं। शो में वह अक्सर अपनी जिंदगी और लाइफस्टाइल के बारे में बातें करती नजर आती हैं।

दूसरी बार मां बनीं गौहर खान, बेटे की किलकारियों से फिर गूंजा आंगन

एक्ट्रेस गौहर खान दूसरी बार मां बन गई हैं। जी हां, 1 सितंबर को गौहर ने पति जैद दरबार संग दूसरे बच्चे का स्वागत किया। गौहर ने प्यारे से बेटे को जन्म दिया। इसकी जानकारी गौहर ने इंस्टा पर एक कार्ड शेयर कर दी। इसमें लिखा है0 जेहान अपने बड़े भाई का स्वागत करने के लिए तैयार है, जिसका जन्म 1 सितंबर, 2025 को हुआ है। इस पोस्ट के साथ गौहर ने अपने दोस्तों, परिवार और रिश्तेदारों की दुआओं का शुक्रिया अदा किया है।गौहर खान और जैद दरबार ने 25 दिसंबर, 2020 को शादी की थी। उन्होंने 10 मई, 2023 को अपने पहले बच्चे जेहान का स्वागत किया। गौहर ने 2009 की फिल्म रॉकेट सिंह सेल्समैन ऑफ द ईयर से अपने बॉलीवुड में कदम रखा।2013 में रियलिटी शो बिग बॉस 7 की विजेता बनीं। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में जैसे इश्कजादे, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, और बेगम जान में काम किया। गौहर खतरों के खिलाड़ी 5 और इंडियाज रॉ स्टार जैसे टीवी शो में भी काम किया है। वहीं जैद दरबार संगीतकार इस्माइल दरबार के बेटे हैं। जैद एक कोरियोग्राफर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं।

'बास्टियन कहीं नहीं जा रहा', शिल्पा शेट्टी ने बास्टियन बीच क्लब बंद होने की अफवाहों पर तोड़ा चुप्पी, अम्माकाई और बीच क्लब से कारोबार का विस्तार

बॉलीवुड अभिनेत्री और उद्यमी शिल्पा शेट्टी ने अपने सेलिब्रिटी–पसंदीदा रेस्टोरेंट, बास्टियन बांद्रा के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है। शेट्टी ने एक मार्मिक इंस्टाग्राम वीडियो में प्रशंसकों और ग्राहकों, दोनों को आश्वस्त करते हुए कहा, नहीं, मैं बास्टियन को बंद नहीं कर रही हूँ, मैं वादा करती हूँ। उन्होंने स्पष्ट किया कि बास्टियन ब्रांड कहीं नहीं जा रहा है, हालाँकि बांद्रा स्थित इस रेस्टोरेंट का एक रोमांचक नवीनीकरण किया जाना है।

शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम वीडियो शेयर किया

शिल्पा शेट्टी न केवल एक अच्छी अभिनेत्री हैं, बल्कि एक अच्छी व्यवसायी भी हैं। मुंबई के बांद्रा इलाके में उनका बास्टियन होटल है, जो वहाँ के मशहूर रेस्टोरेंट में से एक है। वहाँ अक्सर बड़ी हस्तियों और वीआईपी लोगों की भीड़ देखी जाती है। हालाँकि, 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में फँसी शिल्पा शेट्टी के इस रेस्टोरेंट के बंद होने की खबर आ रही है। अब, शिल्पा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए एक बड़ी घोषणा की है। वीडियो की शुरुआत में, अभिनेत्री एक फ़ोन कॉल पर दिखाई देती हैं, जिस पर वह कहती हैं, मैं बैस्टियन बंद नहीं कर रही हूँ, वादा करती हूँ...ठीक है, अलविदा। शिल्पा आगे कहती हैं, दोस्तों, 4 हज़ार 450 कॉल्स...लेकिन एक बात है कि मैं बैस्टियन के लिए इस प्यार को महसूस कर सकती हूँ, लेकिन इस प्यार को ज़हरीला मत बनाओ यार। मैं सच कह रही हूँ कि बैस्टियन कहीं नहीं जा रहा है।

शिल्पा ने दो नए स्टोर खोलने की घोषणा की

शिल्पा शेट्टी आगे कहती हैं, मैं कुछ नया और बेहतरीन करने जा रही हूँ। मैं अपनी जड़ों से जुड़ रही हूँ और अम्माकाई, जो शुद्ध दक्षिण भारतीय भोजन है, को हमारे बांद्रा बैस्टियन और बैस्टियन बीच क्लब में ला रही हूँ। मैं आपके द्वारा हर नई चीज़ आज़माने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ। इसके साथ ही, अभिनेत्री ने घोषणा की कि बैस्टियन बांद्रा का नाम बदलकर अम्माकाई कर दिया जाएगा और जुहू में, वह नई शाखा, बैस्टियन बीच क्लब, खोलेंगी। आपको बता दें 2016 में स्थापित, बैस्टियन मुंबई के पसंदीदा बेहतरीन रेस्टोरेंट्स में से एक के रूप में तेज़ी से उभरा, जो अपने आकर्षक इंटीरियर डिज़ाइन, सीफूड–केंद्रित मेनू और सेलिब्रिटी ग्राहकों के लिए जाना जाता है। अपने प्रसिद्ध लॉबस्टर बम और शानदार आयोजनों के कारण, यह रेस्टोरेंट एक सामाजिक और पाक कला के प्रतीक के रूप में जाना जाता है।

सेब से लेकर अनानास तक, इन फलों की मदद से बनाएं चटनी

फलों की चटनी की खास बात यह है कि इसमें वैरायटी की कमी नहीं है। आप कई तरह के फलों जैसे सेब, अनानास, आम आदि की मदद से चटनी बनाकर तैयार कर सकते हैं और उसे अपने खाने का हिस्सा बना सकते हैं।

खाने के साथ अगर चटनी मिल जाए तो यकीनन खाने का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। अमूमन हम सभी कई तरह के हर्ब्स या सब्जियों की मदद से चटनी बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, अगर आप अपने टेस्ट बड को एक नया टेस्ट देना चाहते हैं तो अब आप सब्जियों या हर्ब्स की जगह फलों का इस्तेमाल करें। आपने शायद अभी तक फ्रूट चटनी को ट्राई ना किया हो, लेकिन इसका स्वाद बेमिसाल होता है। फलों के मीठेपन और टैंगीनेस के साथ–साथ हल्का तीखापन एक परफेक्ट बैलेंस देता है। फलों की चटनी की खास बात यह है कि इसमें वैरायटी की कमी नहीं है। आप कई तरह के फलों जैसे सेब, अनानास, आम आदि की मदद से चटनी बनाकर तैयार कर सकते हैं और उसे अपने खाने का हिस्सा बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको अलग–अलग तरह की फ्रूट चटनी बनाने की विधि के बारे में बता रहे हैं–

सेब की चटनी

सेब की चटनी को सेब, प्याज, किशमिश, ब्राउन शुगर, सिरका, दालचीनी, लौंग और नमक की मदद से तैयार किया जाता है। चटनी बनाने के लिए सबसे पहले सेब और प्याज को छीलकर काट लें। अब एक पैन में चीनी, सिरका और मसाले मिलाएं। अब इसमें सेब, प्याज और किशमिश डालें। मिश्रण के गाढ़ा होने और सेब के नरम होने तक पकाएं। स्टोर करने से पहले ठंडा करें।

अनानास की चटनी

अनानास की चटनी का स्वाद लाजवाब होता है। इसे खाते समय आपको मीठेपन के साथ–साथ हल्के तीखेपन का भी अहसास होगा। अनानास की चटनी बनाने के लिए आपको अनानास, चीनी, सिरका, अदरक, मिर्च, सरसों के बीज और नमक चाहिए। सबसे पहले अनानास को काट लें। एक पैन में अनानास को चीनी और सिरके के साथ पकाएं। अदरक, मिर्च और सरसों के बीज डालें। मिश्रण के गाढ़ा होने तक पकाएं। परोसने से पहले इसे ठंडा होने दें।

आम की चटनी

आम की चटनी का स्वाद मीठा, तीखा और थोड़ा मसालेदार होता है। आप चटनी को पके आम, चीनी, सिरका, अदरक, लहसुन, चिली फ्लेक्स, सरसों के बीज और नमक की मदद से बना सकते हैं। चटनी बनाने के लिए पहले आमों को छीलकर काट लें। एक बर्तन में चीनी और सिरका मिलाएं, फिर आम, अदरक, लहसुन और मसाले डालें। तब तक उबालें जब तक आम नरम न हो जाएं और मिश्रण गाढ़ा न हो जाए। परोसने से पहले इसे ठंडा होने दें।

हरतालिका तीज पर फ्लॉट करें ये फैंसी दुपट्टे, दिखेंगे आप स्टाइलिश

हरतालिका तीज आने ही वाली है। ऐसे में आप खुद को स्टाइलिश बनाने के लिए आप इन फैंसी दुपट्टे को जरुर ट्राई करें। दुपट्टा को स्टाइलिश लुक देने के लिए कलर कॉम्बिनेशन से लेकर डिजाइन तक चुनने के लिए आपको बॉडी टाइप का खासतौर से ध्यान रखना जरुरी होता है।

तीज–त्योहार पर स्टाइलिश दिखना हर किसी को पसंद होता है। व्रत–त्योहार के मौके पर हम ट्रेडिशनल लुक के कपड़ों को जरुर पहनते हैं। आजकल सबसे ज्यादा प्लेन और सिंपल डिजाइन के सलवार–सूट पहनना बेहद पसंद किया जा रहा है। सितंबर की शुरुआत में हरतालिका तीज आने वाली है। इसे मौके पर सूट के साथ में ज्यादातर वर्क वाले या फैंसी दुपट्टों को स्टाइल किया जाता है। आइए देखते हैं दुपट्टे के लेटेस्ट डिजाइंस और इन्हें कैसे स्टाइल करें।

लहरिया दुपट्टा डिजाइन

अगर आप लाइट वेट फैंसी दुपट्टा स्टाइल करना चाहती हैं तो इस तरह के लहरिया डिजाइन वाले दुपट्टे आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेंगे। आप चाहें तो घर में रखी पुरानी साड़ी की मदद से भी दुपट्टे को अपनी पसंद की लेंथ से कटवाकर इसमें गोटा–पट्टी वाली गोल्डन या कलरफुल लेस को लगवा सकती हैं। ऐसे आप अपनी पुरानी साड़ी को भी रीसायकाल कर पाएंगी और ज्यादा पैसे खर्च किए बिना लाइट वेट में फैंसी लुक पाएंगी।

मल्टी कलर दुपट्टा डिजाइन

अगर आप कुछ हटके ट्राई करना चाहते हैं तो आप मल्टी कलर में कढ़ाई वर्क वाले पाकिस्तानी स्टाइल दुपट्टे चलन में है। इसमें बात अगर डिजाइन की करें तो रंगकाट पैटर्न आजकल काफी ट्रेंड में है। पार्टी वियर लुक के लिए इसे आप सिल्क सूट के साथ में स्टाइल कर सकती हैं। आप चाहें तो इसमें अलग से सीक्वेन भी लगवा सकती हैं। अगर आप दुपट्टा को खूब फैंसी बनानी चाहती है तो लेस वर्क जैसे गोटा–पट्टी के कई डिजाइंस आपको देखने को मिलेंगे।

मिरर वर्क दुपट्टा डिजाइन

मिरर वर्क दुपट्टा दिखने में काफी खूबसूरत होते हैं। इसमें आपको कई तरह के डिजाइंस और कलर कॉम्बिनेशन भी मिल जाएंगे। पाकिस्तानी से लेकर फुलकारी दुपट्टे में आपको इसके हैवी कढ़ाई वाले डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इसे स्टाइल कैसे करें तो आप किसी भी तरह का प्लेन सूट के साथ में पहन सकते हैं। इसके साथ में आप चांदबाली इयररिंग्स को पहन सकते हैं।

पोता-पोती के साथ खेलने से स्वस्थ और खुशहाल रहते हैं बुजुर्ग

एक शोध के अनुसार, नाती–नातिन के साथ खेलने से बुजुर्गों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है, जबकि उम्र डिमेंशिया और अल्जाइमर रोग जैसे अन्य न्यूरो विकारों के लिए सबसे बड़ा जोखिम कारक है। 2050 तक 60 से अधिक उम्र के बुजुर्गों का अनुपात दोगुना और 80 से अधिक उम्र के बुजुर्गों का अनुपात तिगुना होने की उम्मीद है, जो दर्शाता है कि दुनिया की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है।

अंतर–पीढ़ी का किया गया अध्ययन

कैनबरा विश्वविद्यालय (यूसी) और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय (यूनिसा) के शोधकर्ताओं ने विशेष रूप से बच्चों और वयस्कों के लिए बनाए गए खेल के मैदानों का उपयोग करके अंतर–पीढ़ी के खेल के लाभों का अध्ययन किया है। जब छोटे बच्चे और बड़े लोग अंतर–पीढ़ी के खेल में शामिल होते हैं, तो वे खेल, कहानी सुनाना और खेल के मैदान के उपकरण सहित रचनात्मक और मनोरंजक गतिविधियों में भाग ले सकते हैं।

दादा–दादी के लिए भी होना चाहिए खेल का मैदान

साउथ ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय में ऑस्ट्रेलियाई अनुसंधान केंद्र के इंटरएक्टिव और वर्चुअल एनवायरनमेंट (आईवीई) के उप निदेशक और एसोसिएट प्रोफेसर फैंके पेंग ने कहा–युवा और वृद्ध लोगों के बीच एक सामाजिक विभाजन है जो घर और स्कूल के बाहर सार्थक बातचीत करना मुश्किल बनाता है, बच्चों के साथ–साथ उनके माता–पिता और दादा–दादी के लिए एक खेल का मैदान बनाना अंतर–पीढ़ी के खेल को प्रोत्साहित करेगा और मानसिक स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करेगा।

बुजुर्गों की जरूरतों पर ध्यान देने की जरूरत

65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के प्रतिभागियों ने बच्चों के साथ समय बिताने के लाभों पर चर्चा की। इसके अलावा, प्रतिभागियों ने चर्चा की कि उन्हें अंतर–पीढ़ी के खेल के मैदान में क्या चाहिए या क्या नहीं, साथ ही उनकी पसंदीदा प्लेटाइम यादें और बच्चों के साथ खेलने के उनके अनुभव। बच्चों और वृद्ध वयस्कों के बीच अंतर–पीढ़ी के खेल के लिए स्थानों को डिजाइन करना मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने और पीढ़ियों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण है। अध्ययन में कहा गया है कि इसमें सामाजिक कलंक को खत्म करना और बुजुर्गों की जरूरतों को पूरा करने वाले साझा स्थान बनाना शामिल है।

सारी जुएं एक ही बार में निकल जाएगी, सस्ता और असरदार नुस्खा

शरीर की साफ–सफाई रखना हमारे लिए जरूरी है नहीं तो कई तरह के संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। शरीर की तरह सिर की साफ–सफाई भी उतनी ही जरूरी है लेकिन कई बार स्वच्छता की कमी, संक्रमित व्यक्ति के बालों वाली कंघी, हेयरब्रश आदि इस्तेमाल करने, पसीने के चलते सिर में जुएं पड़ जाती है। ऐसी समस्या छोटे–बड़े किसी व्यक्ति के साथ भी हो सकती है और सिर में खुजली, इरिटेशन और शर्मिंदगी तक महसूस होती है। ऐसी समस्या ज्यादातर बच्चों के साथ होती है जो होस्टल या ग्रुप में रहते है लेकिन इन जुओं को आप कुछ घर के देसी टिप्स फॉलो करके निकाल सकते हैं। चलिए आपको वहीं कमाल के नुस्खे बताते हैं।

नारियल तेल और कपूर

नारियल तेल में कपूर मिलाकर सिर पर लगाएं और कुछ घंटे छोड़ दें। फिर अच्छे से शैम्पू से धो लें। यह जुओं को निकालने में काफी मददगार टिप साबित होता है।

नीम का तेल या पानी

नीम के तेल से सिर की मालिश करें और 1–2 घंटे छोड़ दें। इसके बाद ताजे पानी से सिर धो लें। नीम के एंटीबैक्टीरियल गुण जुओं खत्म कर देते हैं। नीम के पत्तों को पानी में उबालें और इससे सिर धोएं, इससे भी जुओं से राहत मिलती है।

लहसुन और नींबू का रस

लहसुन का पेस्ट बनाकर उसमें नींबू का रस मिलाएं और इसे सिर पर करीब 30 मिनट लगाएं।। लहसुन की गंध से जुएं दूर हो जाती हैं।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदों में नारियल या जैतून का तेल मिलाकर सिर की मालिश करें और कुछ घंटों बाद धो लें।

विनेगर (सिरका)

सिरके को बालों की जड़ों पर लगाएं और कुछ देर के लिए छोड़ दें। फिर बालों को अच्छे से धो लें। इससे जुएं और जुओं के अंडे भी निकल जाते हैं।

कुछ और मेडिकल उपचार

मेडिकेटेड शैम्पू

फार्मेसी में उपलब्ध एंटी–लाइस शैम्पू या लोशन का उपयोग करें जो विशेष रूप से जुओं को मारने के लिए बने होते हैं। इन्हें चिकित्सक की सलाह से खरीदें और इस्तेमाल करें।

कंघी

जुओं को हटाने के लिए बालों को महीन दांतों वाली कंघी से धीरे–धीरे कंघी करें। यह प्रक्रिया कुछ दिनों तक नियमित रूप से करें ताकि सभी जुएं कंघी से बाहर आ जाएं।

ये बातें भी याद रखें

बालों को साफ और सूखा रखें।

तौलिया, तकिया, कंघी और टोपी जैसी चीजें दूसरों के साथ साझा न करें।

नियमित रूप से बालों की जांच करें, खासकर बच्चों के ताकि जुओं का जल्दी पता लग सके।

अगर जुएं घरेलू या शैम्पू उपचार से नहीं निकल रही तो डॉक्टर से सलाह लेकर प्रेसक्राइब की गई दवाओं का उपयोग करें।

संक्षिप्त

गोयल बोले : GST सुधार 'आत्मनिर्भर भारत' की राह में अहम कदम, विकसित देश बनेगा भारत

हाल के जीएसटी सुधारों की सराहना करते हुए, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इसे श्आत्मनिर्भर भारतश सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। गोयल ने ज़ोर देकर कहा कि 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प देश को 2047 तक शविकसित भारतश बनाने की दिशा में आगे बढ़ाएगा। फार्मा और हेल्थकेयर पर प्थ्म्म 2025 अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कल के जीएसटी सुधार एक आत्मनिर्भर भारत सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम हैं, एक ऐसा भारत जो आत्मनिर्भर हो, एक ऐसा भारत जिसकी आपूर्ति श्रृंखलाएँ आत्मनिर्भर हों, एक ऐसा भारत जो प्रत्येक भारतीय की परवाह करे। पीयूष गोयल ने कहा कि 140 करोड़ भारतीय 2047 तक भारत को, विकसित भारत बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ एकजुट हो रहे हैं, एक ऐसा विकसित और समृद्ध राष्ट्र जहाँ सभी को अवसर मिले, जहाँ हर कोई भारत की समावेशी और सतत विकास गाथा का भागीदार बने। उन्होंने भविष्य में चुनौतियों और अनिश्चितताओं का सामना करने की भारत की क्षमता पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा देश भविष्य में बड़ी और बड़ी चुनौतियों का सामना करने के अपने आत्मविश्वास के संदर्भ में एक बड़ा बदलाव देख रहा है, भारत मज़बूती से खड़ा है, भारत एकजुट है। भारत में कई परिस्थितियों का सामना करने का आत्मविश्वास है। हमने अतीत में ऐसा किया है। वित्त वर्ष 2025–26 की पहली तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की मज़बूत वृद्धि के साथ आगे बढ़ रही है, इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने 1.4 अरब भारतीयों के सामूहिक संकल्प और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि 2047 तक हम 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था से बढ़कर 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। हम सभी के लिए हमारे कर्तव्य निर्धारित हैं। यह 1.4 बिलियन भारतीयों का सामूहिक संकल्प और प्रतिबद्धता है जो इस देश को शक्ति प्रदान करती है, जो हमें दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाती है, जो सुनिश्चित करती है कि पहली तिमाही में भी, अत्यधिक अस्थिर, अनिश्चित, उबासी जलवायु, भू–राजनीतिक जोखिमों के बावजूद, भारत 7.8: की दर से विकास करे और यह तभी संभव है जब आपके पास नरेंद्र मोदी जैसा निर्णायक नेता हो जो देश का मार्गदर्शन और नेतृत्व कर रहा हो। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि दुनिया जानती है कि भारत उन्हें निष्पक्ष और समान व्यवहार प्रदान करता है। यहाँ कानून का शासन है, अदालतें हैं, जीवंत मीडिया है, संसद है।

शेयर बाजार में लौटा जोश! सेंसेक्स 900 अंक चढ़ा, निफ्टी भी 25000 के करीब पहुंचा

गुरुवार को भारतीय शेयर बाजारों में तेजी लौट आई क्योंकि सरकार द्वारा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को युक्तिसंगत बनाने के कदम ने निवेशकों की धारणा को मजबूत किया। इस सकारात्मक रुख ने दिवाली से पहले मजबूत तेजी की उम्मीद जगाई और प्रमुख सूचकांकों में तेजी से बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी 50 सूचकांक 265.70 अंक या 1.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,980.75 पर खुला, जो बेंचमार्क में मजबूत उछाल दर्शाता है। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 888.96 अंक की बढ़त के साथ 81,456.67 अंक और एनएसई निफ्टी 265.7 अंक चढ़कर 24,980.75 अंक पर पहुंच गया। विशेषज्ञों ने कहा कि मौजूदा हालात तेजी के लिए अनुकूल हैं, और टैरिफ में और कमी से बाजारों को जल्द ही नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँचने में मदद मिल सकती है। बैंकिंग और बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा ने एएनआई को बताया कि भारतीय बाजार दिवाली से पहले तेजी के लिए अच्छी स्थिति में हैं। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर में सबसे अधिक 7.50 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व, आईटीसी, टाटा मोटर्स और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी लाभ में रहे। इटर्नल, टाटा स्टील, एनटीपीसी और एचसीएल टेक के शेयर में गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जबकि जापान का निक्की 225 फायदे में रहे जबकि चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार बुधवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67.22 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,666.46 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

जीएसटी सुधारों से 12 प्रतिशत तक घट सकता है जम्मू–कश्मीर का राजस्व : मुख्यमंत्री अब्दुल्ला

जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि प्रस्तावित जीएसटी सुधारों से केंद्र शासित प्रदेश के राजस्व में 10 से 12 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। इससे वित्तीय संकट और बढ़ सकता है क्योंकि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद राज्य का राजस्व 'कम' हो गया है। अब्दुल्ला ने कहा, ''पर्यटन, परिवहन, निर्माण, वाहन जैसे अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र अप्रैल, 2025 के बाद ठप हो गए हैं। प्रस्तावित सुधार हमारे जीएसटी राजस्व में 10 से 12 प्रतिशत की और कमी ला सकता है। इसलिए, जम्मू–कश्मीर के वित्त मंत्री के रूप में, मेरा मानना घ्ध्है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की वित्तीय स्थिरता के लिए उपयुक्त व्यवस्था और सुरक्षा उपाय स्थापित करना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर इस घटनाक्रम के विनाशकारी प्रभाव का जिक्र किया और स्थिति से निपटने के लिए, विशेष रूप से प्रस्तावित जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने के मद्देनजर, केंद्र से सहयोग करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम दरों को युक्तिसंगत बनाने के प्रस्ताव पर आगे बढ़ सकते हैं। साथ ही राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को उनकी राजकोषीय स्थिरता के लिए क्षतिपूर्ति करने को एक व्यवस्था बना सकते हैं और दरों युक्तिसंगत बनाने से होने वाले लाभों को देश की जनता तक पहुंचाने के लिए उपाय भी कर सकते हैं।''

जसप्रीत बुमराह या शोएब अख्तर, कौन है ज्यादा घातक गेंदबाज ? आकाश चोपड़ा का चौंकाने वाला फैसला

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 से पहले, पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा से पूछा गया कि क्या पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को अतीत में सामना करना ज्यादा मुश्किल था या वर्तमान के भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह को। चोपड़ा ने इस सवाल का स्पष्ट और हैरान कर देने वाला जवाब दिया, जिससे सभी चौंक गए।

दोनों गेंदबाजों की उपलब्धियां

चोपड़ा ने एक यूट्यूब चौनल 'क्रेक्स' से कहा मुझे लगता है बुमराह। बुमराह के आंकड़ों की बात करें तो उन्होंने अब तक 48 टेस्ट मैचों में 219 विकेट, 89 वनडे मैचों में 149 विकेट, और 70 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 89 विकेट लिए हैं, जिससे उनकी क्षमता का पता लगता है। वहीं, शोएब अख्तर ने 46 टेस्ट में 178 विकेट, 163 वनडे में 247 विकेट और 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 19 विकेट लिए थे। अख्तर अपने समय के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं। उनके नाम क्रिकेट की सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड है।

अन्य सवालों के जवाब

इंटरव्यू में चोपड़ा से एक और सवाल पूछा गया– ऐसा कौन सा बल्लेबाज है जिसे देखने के लिए वह खुद पैसे खर्च कर सकते हैं? इस पर उन्होंने भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का नाम लिया। उन्होंने बताया कि कोहली ने भले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, और अब वह केवल अपने सबसे पसंदीदा वनडे क्रिकेट में सक्रिय हैं, लेकिन फिर भी वह उन्हें देखने के लिए पैसे खर्च करेंगे।

एशिया कप में जितेश शर्मा का भविष्य

चोपड़ा ने एशिया कप टी20 से पहले टीम इंडिया के लिए एक और अहम अनुमान भी लगाया। उन्होंने कहा कि आगामी एशिया कप में जितेश शर्मा को प्लेइंग–11 में शामिल किया जा सकता है। चोपड़ा ने जितेश के आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि उनके नंबर और स्ट्राइक रेट में बहुत सुधार आया है, जो नंबर चार से सात तक बल्लेबाजी क्रम में उन्हें सबसे ऊंचा दर्जा देते हैं।

आकाश ने की जितेश की तारीफ

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा, श्मुझे लगता है कि जितेश शर्मा एशिया कप में इलेवन का हिस्सा होंगे। हमें पोजिशन एक से तीन पर ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है क्योंकि उन्हें वहां मौका नहीं मिलेगा, लेकिन चार से सात नंबर पर उनकी संख्याएं काफी बेहतर हुई हैं। उनका स्ट्राइक रेट 166 है और औसत 28 का है। वह पहले ऐसे बल्लेबाज हैं जिनका स्ट्राइक रेट 150 से ऊपर है। तो जब बैटिंग ऑर्डर तैयार होगा तो वह सबसे ऊपर होंगे। जितेश शर्मा की संख्याएं बाकी सभी के मुकाबले सबसे अच्छी लगी हैं। वह चमक रहे हैं और नंबर एक पर नजर आ रहे हैं। मैं सच में उम्मीद करता हूं कि उनका एशिया कप अच्छा जाए।

आरसीबी की जीत में जितेश की भूमिका

जितेश, जिन्होंने अब तक भारत के लिए नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (त्ब्ठ) की आईपीएल 2025 जीत में अहम कड़ी साबित हुए। उन्होंने बतौर फिनिशर 261 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 176 का रहा। इन प्रदर्शनों ने उन्हें भारत की टी20 टीम में एशिया कप के लिए दोबारा जगह दिलाने में मदद की, जो नौ से 28 सितंबर तक यूएई में खेला जाना है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ मुकाबले से करेगा। 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने–सामने होंगी।

दूसरे सेमीफाइनल में छाए ऋतुराज गायकवाड़, लगाई बेहतरीन सेंचुरी

वेस्ट जोन के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने कमाल कर दिया है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पहली पारी में बेहतरीन सेंचुरी ठोकी है। गायकवाड़ ने अपनी क्लास दिखाते हुए 13 चौकों के दम पर अपना शतक पूरा किया।

दलीप ट्रॉफी 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में वेस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच भिड़ंत हो रही है। जहां वेस्ट जोन के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने कमाल कर दिया है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पहली पारी में बेहतरीन सेंचुरी ठोकी है। गायकवाड़ ने अपनी क्लास दिखाते हुए 13 चौकों के दम पर अपना शतक पूरा किया। गायकवाड़ की सेंचुरी इसलिए भी खास है क्योंकि सेंट्रल जोन के खिलाफ वेस्ट जोन ने अपने दो धाकड़ बल्लेबाजों को पहले ही खो दिया था। यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर दोनों ही बल्लेबाज पहली पारी में फेल रहे। जहां जायसवाल ने महज 4 तो अय्यर ने 25 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड़ ने दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपने ही अंदाज में खेलते हुए स्ट्राइक रोटेशन के साथ–साथ क्लासिक चौके भी जड़े। बिना रिस्क लेते हुए गायकवाड़ ने 70 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से सेंचुरी लगाई। वो फर्स्ट क्लास करियर में 8वीं बार सैकड़ा लगाने में कामयाब रहे। गायकवाड़ के साथ श्रेयस अय्यर भी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, उन्होंने चार चौके लगा दिए थे लेकिन तेजी से बल्लेबाजी के फेर में वो 28 गेंदों में 25 रन पर बोल्ड हो गए। गायकवाड़ हालांकि, क्रीज पर जमे रहे और उन्होंने लंच के बाद अपनी सेंचुरी पूरी की। बाएं हाथ के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी इंग्लैंड दौरे के बाद पहली बार मैदान पर दिखाई दिए और ये खिलाड़ी सिर्फ 3 ही गेंद खेलकर पवेलियन लौट गया। जायसवाल को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। हार्विक देसाई भी दीपक चाहर का शिकार हो गए, वो एक रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आर्या देसाई ने ऋतुराज के साथ मिलकर 82 रनों की साझेदारी की जिससे वेस्ट जोन की टीम शुरुआती झटकों से उबर पाई।

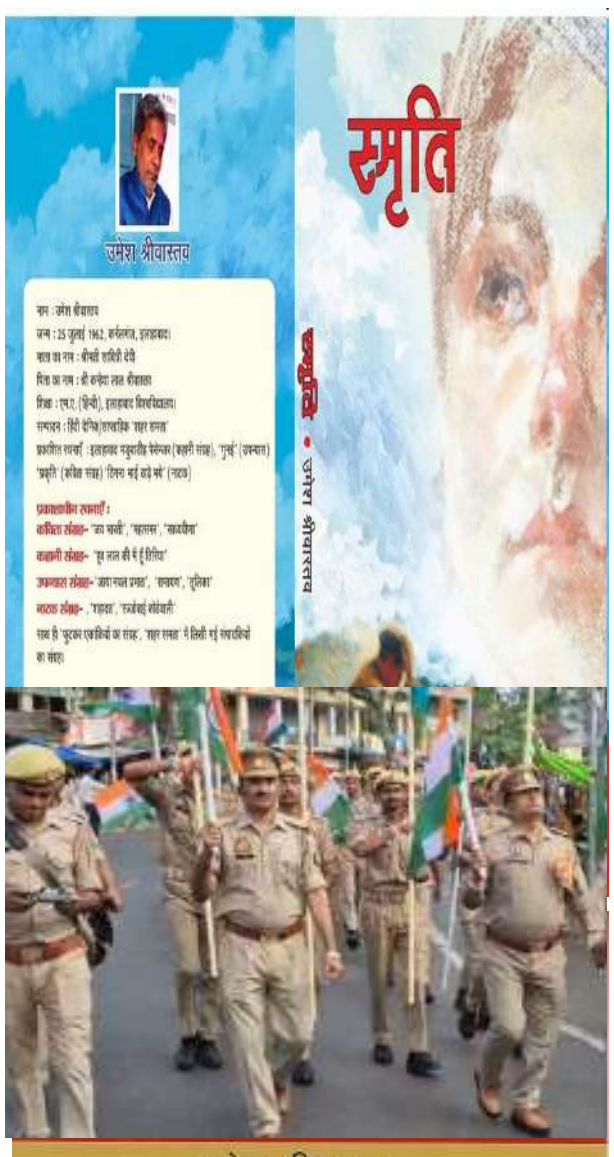

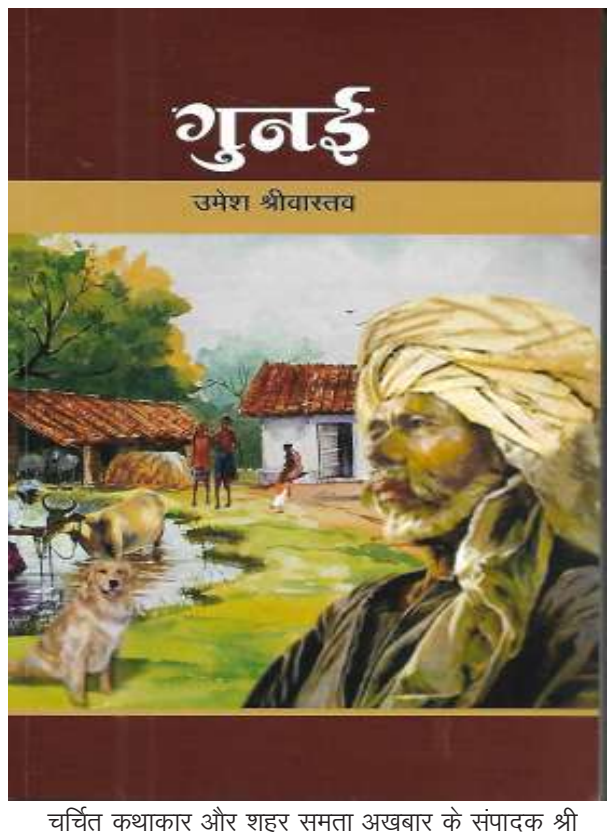

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

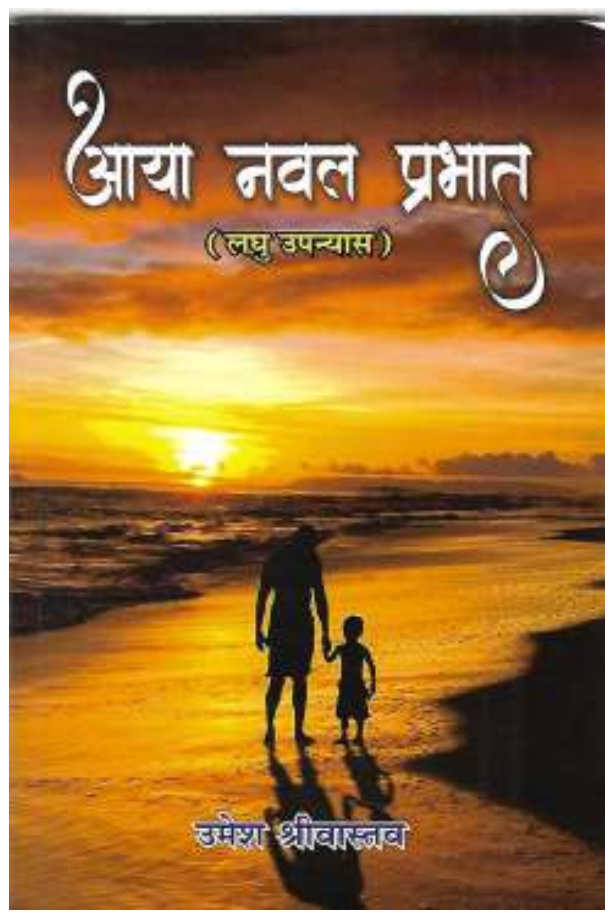

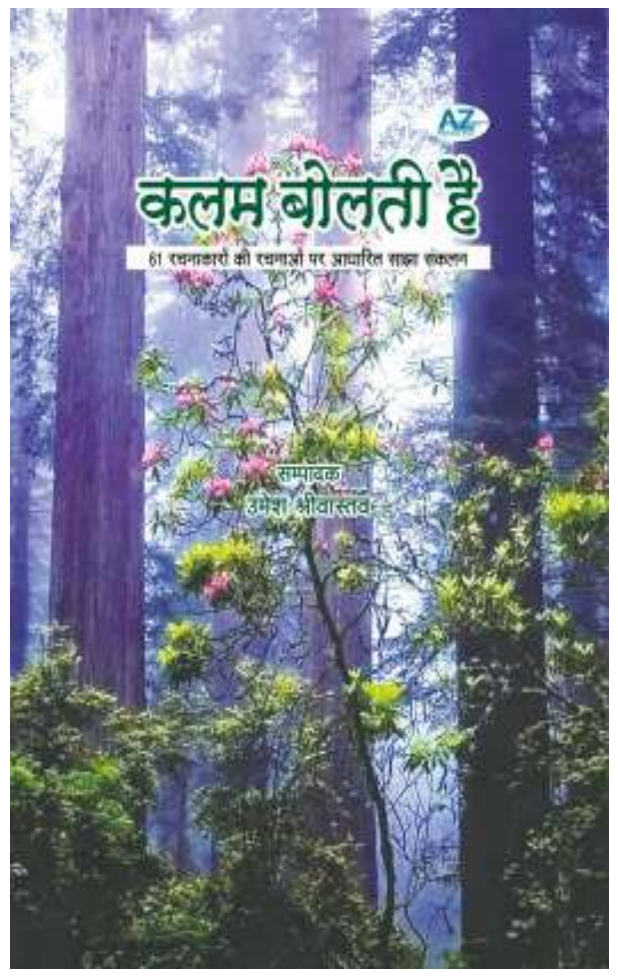

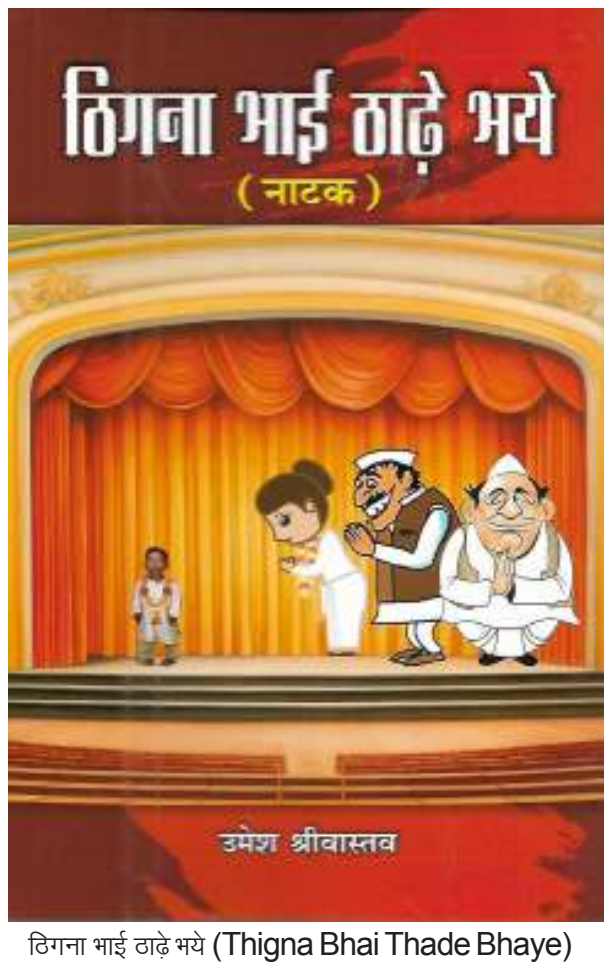

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

मैंने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर अभी शुरुआत दौर के प्रतिबंध लगाए हैं: ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्होंने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर अभी शुरुआती दौर के प्रतिबंध लगाए हैं और संकेत दिया कि उन्होंने अब तक ''चरण दो या चरण तीन'' के तहत प्रतिबंध नहीं लगाये हैं। पोलैंड के राष्ट्रपति करोल नवरोकी के साथ ओवल ऑफिस में द्विपक्षीय बैठक में भाग लेते समय ट्रंप उस समय नाराज हो गये जब उनसे एक पोलिश पत्रकार ने पूछा कि उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति निराशा और हताशा व्यक्त

की थी, लेकिन इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की। ट्रंप ने पोलिश पत्रकार से कहा, ''आपको कैसे पता कि कोई कार्रवाई नहीं हुई? चीन के बाद सबसे बड़े खरीदार भारत पर प्रतिबंध लगाना, क्या आप कहेंगे कि कोई कार्रवाई नहीं हुई? इससे रूस को सैकड़ों अरब डॉलर का नुकसान हुआ। आप इसे कोई कार्रवाई नहीं कहेंगे? और मैंने अब तक दूसरा या तीसरा चरण पूरा नहीं किया है। लेकिन जब आप कहते हैं कि कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो मुझे लगता है कि आपको कोई नयी नौकरी ढूंढ लेनी चाहिए।'' ट्रंप ने कहा कि दो सप्ताह पहले उन्होंने कहा था, ''अगर भारत तेल खरीदता है, तो भारत को बड़ी समस्याएं होंगी, और यही होता है। इसलिए, मुझे इसके बारे में मत बताइए।'' जब उनसे चीन की सैन्य परेड में पुतिन और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की उपस्थिति को लेकर सवाल किया गया और पूछा गया क्या वह मास्को पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, ''मैंने भारत के संबंध में पहले ही ऐसा कर दिया है और हम अन्य चीजों के संबंध में भी ऐसा कर रहे हैं।'' ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) लगाया है और भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है, जिससे भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है और यह शुल्क 27 अगस्त से प्रभावी हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वह किसानों, पशुपालकों, लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं कर सकते। उन्होंने आगाह किया कि ''हम पर दबाव बढ़ सकता है, लेकिन हम इसे सहन करेंगे।'' भारत ने अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ को ''अनुचित'' बताया है। भारत ने कहा कि किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह, वह अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठायेगा।

ट्रंप प्रशासन ने उच्चतम न्यायालय से शुल्क मामले में शीघ्र निर्णय देने का अनुरोध किया

डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने शुल्क (टैरिफ) विवाद को लेकर बुधवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया और न्यायाधीशों से इस विषय पर शीघ्र निर्णय देने का आग्रह किया कि राष्ट्रपति को संघीय कानून के तहत व्यापारिक दंड लगाने का अधिकार है। अमेरिकी सरकार ने उच्चतम न्यायालय से अपील की है कि वह अपीलीय अदालत के उस फैसले को पलट दे, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अधिकतर शुल्कों को आपातकालीन शक्तियों से संबंधित एक कानून के तहत गैरकानूनी करार दिया गया है। संघीय सर्किट के लिए अमेरिकी अपीलीय अदालत ने शुल्कों को फिलहाल लागू रहने दिया है, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन ने बुधवार देर रात दायर की गई याचिका में उच्चतम न्यायालय से शीघ्र हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है।

इस मुस्लिम देश के पीएम की पत्नी ने जिनपिंग से हाथ मिलाने से किया इनकार, चौंक गया भारत!

चीन में आयोजित एससीओ बैठक के दौरान अचानक कुछ ऐसा हुआ जिसपर किसी का ध्यान नहीं गया। लेकिन अब ये वायरल हो रहा है। मंच पर शी जिनपिंग अपनी पत्नी के साथ खड़े थे और बैठक में आए सभी मेहमानों का स्वागत कर रहे थे। ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने पीएम मोदी का किया था और फिर पुतिन का किया था। लेकिन चीन से वीडियो वायरल में एक मुस्लिम देश के प्रधानमंत्री की पत्नी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। इस मुस्लिम देश का नाम मलेशिया है। वीडियो में नजर आ रहा है कि जिनपिंग ने बकायदा हाथ आगे भी बढ़ाया। लेकिन मलेशियाई प्रधानमंत्री की पत्नी ने हाथ मिलाने की बजाए अभिवादन का दूसरा तरीका अपनाया। इस वीडियो को कोई धार्मिक एंगल से देख रहा है तो कोई इसे कट्टरवाद से जोड़ रहा है। कोई इसे पाखंड भी बोल रहा है। भारत भी इस वीडियो को देखकर हैरान है। जिस देश के प्रधानमंत्री की पत्नी ने शी जिनपिंग से हाथ नहीं मिलाया। उसी देश ने भारत को भी परेशान कर रखा है। दरअसल, चीन के तियांनजिन में शंघाई सहयोग सम्मेलन का समिट चल रहा था। परंपरा के मुताबिक शी जिनपिंग अपनी पत्नी के साथ एक एक कर अतिथियों का स्वागत कर रहे थे। इसी दौरान मलेशिया के प्रधानमंत्री अंबर इब्राहिम ने जिनपिंग से हाथ मिलाया। इसके बाद जिनपिंग ने वान अजीजा की ओर अपना हाथ आगे बढ़ाया। मगर उन्होंने अपना हाथ जोड़कर सिर झुका लिया। जिनपिंग को मुस्कुराकर अपना हाथ पीछे करना पड़ा। हालांकि इब्राहिम अनवर और उनकी पत्नी दोनों ने जिनपिंग की पत्नी के साथ हाथ मिलाया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

पुतिन ने अमेरिकी टैरिफ पर कहा- अब नहीं चलेगा औपनिवेशिक रवैया

बीजिंग के दियाओयुताई स्टेट गेस्टहाउस में प्रेस को संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वैश्विक राजनीति या सुरक्षा पर प्रभुत्व जताने की कोशिश करने वाले किसी भी देश के प्रति आगाह किया, साथ ही उन्होंने भारत और चीन जैसे ष्आर्थिक दिग्गजोंष के उदय को भी स्वीकार किया। पुतिन ने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में संतुलन की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए कहा, ष्अंतर्राष्ट्रीय कानून के दृष्टिकोण से, सभी के समान अधिकार होने चाहिए और सभी की स्थिति समान होनी चाहिए। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वाशिंगटन से कहा कि वह भारत और चीन पर टैरिफ और प्रतिबंधों का दबाव न बनाए, और कहा, आप भारत या चीन से इस तरह बात नहीं कर सकते। चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन और एक सैन्य परेड में भाग लेने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए, पुतिन ने ट्रम्प प्रशासन पर एशिया की दो सबसे बड़ी शक्तियों को कमज़ोर करने के लिए आर्थिक दबाव का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। भारत और चीन को साझेदार बताते हुए, पुतिन ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ व्यवस्था इन देशों के नेतृत्व को कमज़ोर करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा, ष्आपके पास 1.5 अरब की आबादी वाले भारत और चीन जैसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था वाले देश हैं, लेकिन उनके अपने घरेलू राजनीतिक तंत्र और कानून भी हैं। जब कोई आपको बताता है कि वे आपको दंडित करने वाले हैं, तो आपको सोचना होगा —— उन बड़े देशों का नेतृत्व कैसे प्रतिक्रिया देगा? उन्होंने कहा कि इतिहास दोनों देशों की राजनीतिक प्रवृत्ति पर भारी पड़ता है। ष्उनके इतिहास में भी कठिन दौर आए हैं, जैसे उपनिवेशवाद, लंबे समय तक उनकी संप्रभुता पर कर। अगर उनमें से कोई कमज़ोरी दिखाता है, तो उसका राजनीतिक करियर खत्म हो जाएगा। इसलिए यह उसके व्यवहार को प्रभावित करता है। पुतिन ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि वाशिंगटन की बयानबाज़ी पुरानी सोच को प्रतिध्वनित करती है। उन्होंने कहा, औपनिवेशिक युग अब समाप्त हो चुका है। उन्हें यह समझना होगा कि वे अपने सहयोगियों से बात करते समय इन शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकते। रूसी नेता ने सुझाव दिया कि तनाव अंततः कम हो जाएगा। उन्होंने कहा, आखिरकार, चीज़ें सुलझ जाएँगी, सब कुछ अपनी जगह पर होगा, और हम फिर से सामान्य राजनीतिक संवाद देखेंगे। पुतिन की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारत रूसी तेल खरीदने के लिए अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, जबकि चीन अभी भी वाशिंगटन के साथ व्यापार युद्ध में उलझा हुआ है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत पर और प्रतिबंध लगाने के संकेत दिए

जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर और ज़ोर देते हुए कहा कि उनके प्रशासन ने रूसी तेल खरीदना जारी रखने के लिए भारत पर द्वितीयक प्रतिबंध लगाए हैं और संकेत दिया कि आगे और भी कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि इस कदम से मास्को को पहले ही ष्सैकड़ों अरब डॉलरष् का नुकसान हो चुका है और चेतावनी दी कि दूसरे और तीसरे चरणष् के प्रतिबंध अभी भी विचाराधीन हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि भारत को उनकी चेतावनी स्पष्ट थी। उन्होंने कहा, दो हफ़्ते पहले, मैंने कहा था कि अगर भारत खरीदता है, तो भारत को बड़ी समस्याएँ होंगी, और यही होता है।

पुतिन ने यूक्रेन विवाद सुलझाने में भारत के प्रयासों की सराहना की

इससे पहले सोमवार को, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी कहा कि वह यूक्रेन विवाद के समाधान में भारत और अन्य रणनीतिक साझेदारों के योगदान को ष्बहुत महत्व देते हैं। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में पुतिन ने कहा, हम यूक्रेन संकट के समाधान में मदद के लिए चीन, भारत और हमारे अन्य रणनीतिक साझेदारों के प्रयासों और प्रस्तावों को बहुत महत्व देते हैं।

जेलेंस्की तैयार हैं तो मॉस्को आ सकते हैं, पुतिन ने जताई संघर्षविराम पर वार्ता की संभावना

बीजिंग। रूस–यूक्रेन युद्ध को लेकर जारी गतिरोध के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संकेत दिया है कि वह यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिलने को तैयार हैं। पुतिन ने कहा कि यदि बैठक अच्छी तरह तैयार की जाए और उससे सकारात्मक परिणाम निकलें, तो जेलेंस्की मॉस्को आ सकते हैं। इस बयान ने युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान की संभावनाओं को लेकर नई बहस छेड़ दी है। चीन दौरे से लौटने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पुतिन ने कहा कि उन्होंने कभी भी जेलेंस्की से मिलने की संभावना से इनकार नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह बैठक तभी होनी चाहिए जब यह यूक्रेन के संविधान के दायरे में और सकारात्मक परिणाम देने वाली हो। पुतिन ने यह भी बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनसे इस बारे में सवाल किया था और उन्होंने इसे संभव बताया।

रूस की सुरक्षा चिंताएं और नाटो पर आपत्ति

पुतिन ने दोहराया कि हर देश को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने का अधिकार है, लेकिन किसी भी देश की सुरक्षा दूसरे देश की कीमत पर नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की नाटो सदस्यता रूस के लिए सीधी सुरक्षा चुनौती है। हालांकि, पुतिन ने यह स्पष्ट किया कि यूक्रेन को यूरोपीय संघ में शामिल होने पर रूस की उतनी कड़ी आपत्ति नहीं है, क्योंकि यह उसकी आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा है।

यूक्रेन का जवाब और सात देशों की पेशकश

पुतिन के बयान के तुरंत बाद यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कम से कम सात देशों ने रूस–यूक्रेन वार्ता की मेजबानी की पेशकश की है, जिनमें ऑस्ट्रिया, स्विट्जरलैंड, वेटिकन, तुर्किये और खाड़ी देशों के तीन राष्ट्र शामिल हैं। सिबिहा ने पुतिन के प्रस्ताव को जानबूझकर अस्वीकार्य बताया और कहा कि रूस वास्तविक शांति प्रक्रिया से बच रहा है।

बहुध्रुवीय दुनिया की वकालत

पुतिन ने अपने बयान में एक और अहम बात कही। उन्होंने कहा कि अब एकध्रुवीय दुनिया का अंत होना चाहिए और सभी देशों को बराबरी का अधिकार मिलना चाहिए। पुतिन ने साफ कहा कि किसी एक देश को विश्व राजनीति और सुरक्षा पर हावी नहीं होना चाहिए। उन्होंने ब्रिक्स और एससीओ जैसे संगठनों को बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का प्रतीक बताया।

भारत–चीन की अहमियत और पश्चिम पर निशाना

पुतिन ने कहा कि आज की दुनिया में भारत और चीन जैसे आर्थिक दिग्गजों की भूमिका अहम है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि रूस भी दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि आर्थिक ताकत को राजनीतिक या सुरक्षा प्रभुत्व में नहीं बदलना चाहिए। पुतिन ने पश्चिमी देशों, खासकर ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए व्यापारिक टैरिफ और रूस पर प्रतिबंधों को लेकर भी अप्रत्यक्ष हमला बोला।

मोदी से बातचीत और सकारात्मक नतीजे

पुतिन ने बताया कि एससीओ सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बातचीत बहुत सकारात्मक रही। उन्होंने कहा कि उन्होंने मोदी को अलास्का में ट्रंप के साथ हुई बातचीत की जानकारी भी साझा की। पुतिन ने कहा कि चीन यात्रा से मिले नतीजे बहुत आगे की सोच वाले हैं और इससे बहुपक्षीय सहयोग को नई दिशा मिलेगी।

ऐसे बात मत करना...भारत को लेकर ट्रंप से सीधे भिड़ गए पुतिन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के बाद पूरी दुनिया में बवाल मचा है। भारत और चीन का नाम लेकर बार बार डोनाल्ड ट्रंप धमकी देते हैं। इन धमकियों का जवाब भारत और चीन दोनों ही बहुत शिष्टता के साथ देते हैं। लेकिन ट्रंप मानो इन धमकियों पर अड़े हुए हैं। हर दिन भारत और चीन को लेकर वो कोई न कोई बयानबाजी करते हैं। अब ट्रंप की इसी बयानबाजी

के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भड़क चुके हैं। भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत के टैरिफ के बीच अब दो टूक पुतिन ट्रंप से कह रहे हैं कि आप भारत से ऐसे बात नहीं कर सकते। भारत और चीन के बीच टैरिफ वाली बयानबाजी के बीच जब ट्रंप फिर से धमकियां दे रहे हैं। तब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत के समर्थन में खुलकर आ चुके हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत के समर्थन में आकर दो टूक कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं वो ठीक नहीं है। चीन से अपने दौरे को खत्म करते हुए रूसी राष्ट्रपति ने जाते जाते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शिष्टाचार की सीख दे दी। बात कैसे करनी है, क्या बोलना है इसका पाठ पढ़ा दिया। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और चीन दोनों ही उनके मजबूत साझेदार हैं और अमेरिका को उनसे इस तरीके से बात करने का कोई अधिकार नहीं है। दरअसल, चीन में उनके दौरे के खत्म होने के साथ ही मीडिया के सवाल जवाब का सिलसिला खत्म हुआ। इसी दौरान सवालों के बीच जब ट्रंप के टैरिफ को लेकर सवाल पूछा गया तो रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने टैरिफ के साथ साथ ट्रंप की भाषा को लेकर भी सवाल उठाए। पुतिन ने कहा कि आपके पास डेढ़ अरब की आबादी वाले भारत, चीन जैसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था वाले देश हैं, लेकिन उनके अपने घरेलू राजनीतिक तंत्र और कानून भी हैं। जब कोई आपको बताता है कि वे आपको सज़ा देने वाले हैं, तो आपको सोचना होगा —— उन बड़े देशों का नेतृत्व कैसे प्रतिक्रिया देगा? उन्होंने कहा कि इतिहास दोनों देशों की राजनीतिक प्रवृत्ति पर भारी पड़ता है। ष्उनके इतिहास में भी कठिन दौर आए हैं, जैसे उपनिवेशवाद, जिसने लंबे समय तक उनकी संप्रभुता पर कर लगाया। अगर उनमें से कोई कमज़ोरी दिखाता है, तो उसका राजनीतिक करियर खत्म हो जाएगा। इसलिए यह उसके व्यवहार को प्रभावित करता है। पुतिन ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि वाशिंगटन की बयानबाजी पुरानी सोच को प्रतिध्वनित करती है। उन्होंने कहा, औपनिवेशिक युग अब समाप्त हो चुका है। उन्हें यह समझना होगा कि वे अपने सहयोगियों से बात करते समय इन शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकते। रूसी नेता ने सुझाव दिया कि तनाव अंततः कम हो जाएगा। उन्होंने कहा आखिरकार, चीज़ें सुलझ जाएँगी, सब कुछ अपनी जगह पर आ जाएगा, और हम फिर से सामान्य राजनीतिक संवाद देखेंगे। पुतिन की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारत रूसी तेल ख़रीदने के लिए अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, जबकि चीन अभी भी वाशिंगटन के साथ व्यापार युद्ध में उलझा हुआ है।

कांटे की टक्कर में तीसरी बार चुने गए जमैका के च्ड होलनेस, मुख्य विपक्षी उम्मीदवार ने हार मानी

किंग्सटन (जमैका)। जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने संसदीय चुनाव में एक कड़े मुकाबले में गुरुवार को तीसरी बार जीत हासिल की। यह चुनाव ऐसे समय में हुआ, जब देश भ्रष्टाचार, असमानता और आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है। शुरुआती नतीजों के मुताबिक, होलनेस की जमैका लेबर पार्टी ने 34 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि विपक्षी नेता मार्क गोल्डिंग की पीपुल्स नेशनल पार्टी को 29 सीटों पर जीत हासिल हुई। गोल्डिन एक संक्षिप्त भाषण में अपनी हार स्वीकार की और कहा

कि उन्हें नतीजों से निराशा हुई है, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी की जीत को स्वीकार किया और उसे उनकी सफलता माना। जमैका में बुधवार को आम चुनाव हुए, जिनमें जमैका प्रोग्रेसिव पार्टी, यूनाइटेड इंडिपेंडेंट्स कांग्रेस और नौ निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी हिस्सा लिया। इन उम्मीदवारों ने अलग–अलग क्षेत्रों से चुनाव लड़ा। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, मतदान प्रतिशत केवल 38.8ः रहा, जो 2020 में महामारी के दौरान हुए चुनाव के मुकाबले थोड़ा ही ज्यादा है। जमैका की कुल आबादी 28 लाख है, जिसमें से केवल 20 लाख पंजीकृत मतदाता वोट डालने के पात्र हैं। जमैका की संसद के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा की कुल 63 सीटों पर चुनाव हुआ। जिस पार्टी को बहुमत मिलता है, उसका नेता देश का अगला प्रधानमंत्री बनता है। इसके बाद नया प्रधानमंत्री संसद के ऊपरी सदन यानी सीनेट में 21 में से 13 सदस्यों को नियुक्त करता है, जबकि विपक्ष आठ सदस्यों का चयन करता है।

होलनेस के नेतृत्व में इस साल अब तक जमैका में हत्या के मामलों में 43ः की कमी आई है, जो पिछले कई दशकों में सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है।

जमैका में अपराध इसलिए कम हुए हैं क्योंकि सरकार ने गैरकानूनी हथियारों को पकड़ना शुरू किया और देशभर में पुलिस व सुरक्षा बलों की सख्त तैनाती की।

जमैका लेबर पार्टी ने इसी उपलब्धि के आधार पर प्रचार किया और खुद को ऐसी सरकार के रूप में पेश किया जिसने देश को बड़े पैमाने पर हिंसा की ओर बढ़ने से रोका। हालांकि अपराध के आंकड़ों में सुधार हुआ है, फिर भी जमैका के हिंसक इतिहास की छाया अभी भी महसूस होती है।

मौजूदा सरकार ने कुछ क्षेत्रों में आपातकाल लागू करने जैसे कदम उठाए, जिसको लेकर जनता में मिली–जुली प्रतिक्रिया थी। कुछ ने इसका समर्थन किया और कुछ ने आलोचना की।

निजी क्षेत्र और कई आम जमैका वासियों ने इन कदमों की सराहना की है, खासकर उन इलाकों में जहां हत्याओं की संख्या में 70 फीसदी तक की कमी आई है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।